संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 349
पृष्ठ 8
शुक्रवार
12 सितंबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नेल पॉलिश रिमूवर हो गया है खत्म...

विचार- सामाजिक विषमताएं बनाम देश...

खेल- गुगली...फ्लिपर...मैं भी उनकी गेंद...

सीएम योगी ने अपने गुरु को दी श्रद्धांजलि, बोले-

कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन का पहला संस्कार

गोरखपुर, संवाददाता। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करना सनातन धर्म का पहला संस्कार है। भारतीय मनीषा के ज्ञान दर्शन में इस बात को प्रतिष्ठित किया गया है कि जीवन में हमारे, समाज और राष्ट्र के प्रति जिस किसी ने योगदान दिया हो उसके प्रति कृतज्ञता का भाव होना ही चाहिए। सीएम योगी युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन गुरुवार (आश्विन कृष्ण चतुर्थी) को महंत अवेद्यनाथ की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी और मैनाक पर्वत के बीच हुए संवाद के मुख्य उद्धरण 'कृते च कर्तव्यम एषः धर्म

सनातनः' को समझाते हुए कहा कि यह भाव सनातन से ही मिलता है। सनातन की परंपरा में पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता का भाव व्यक्त करने के लिए आश्विन माह का पूरा कृष्ण पक्ष ही समर्पित किया गया है। गोरक्षपीठ में ब्रह्मलीन पूज्य महंतद्वय की पुण्य स्मृति में साप्ताहिक आयोजन भी कृतज्ञता ज्ञापन का ही आयाम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय समाज, राष्ट्र और लोक जीवन से जुड़े हर मुद्दे पर सनातन धर्म और भारत के हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहे। महंत दिग्विजयनाथ जी ने सनातन धर्म, शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीयता के जिन मूल्यों और आदर्शों को स्थापित किया, उन्हें महंत अवेद्यनाथ जी ने आत्मसात कर आगे बढ़ाया। इन मूल्यों और आदर्शों के लिए, देश और धर्म के लिए महंतद्वय आजीवन समर्पित रहे। दोनों ने सदैव देश और धर्म को प्राथमिकता दी। गोरक्षपीठ आज भी उनके बताए मार्ग का अनुसरण कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी

● सनातन और भारत के हित में हर मुद्दे पर आजीवन प्रतिबद्ध रहे गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय

आदित्यनाथ ने कहा कि गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभ्य समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला माना। महंत दिग्विजयनाथ जी ने इसी ध्येय से देश की गुलामी के कालखंड में ही 1932 में महाराणा प्रताप जैसे वीर योद्धा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की थी। 1932 में पहली संस्था खुली और फिर यह श्रृंखला बढ़ती गई। गोरखपुर में जब पहले विश्वविद्यालय की स्थापना की बात आई तो उन्होंने महाराणा प्रताप महाविद्यालय और महाराणा प्रताप महिला विद्यालय दान में देकर विश्वविद्यालय की स्थापना का शुभारंभ कराया। यह कार्य श्रेय के लिए नहीं था। उन्होंने महिला शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष शिक्षा सहित शिक्षा के हरेक क्षेत्र को आगे बढ़ाया। उनके बाद महंत अवेद्यनाथ जी ने भी इस सिलसिले को जारी रखा। सीएम योगी ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण में गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय के अविस्मरणीय योगदान का भी उल्लेख किया। कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण के यज्ञ का शुभारंभ महंत दिग्विजयनाथ जी ने किया था। उनके बाद 1983 से लेकर जीवन पर्यंत महंत अवेद्यनाथ मंदिर निर्माण के लिए संघर्षरत रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी समाज को तोड़ने वाली ताकतों से चिंतित रहे। उन्होंने अश्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई और आजीवन सामाजिक समरसता को बढ़ाते रहे।

मॉरिशस की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देगा भारत : मोदी

वाराणसी, संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मॉरिशस और भारत को एक परिवार करार देते हुए कहा है कि दोनों देशों के सपने एक हैं और भारत ने मॉरिशस की ढांचागत विकास तथा स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी आवशयकताओं को पूरा करने के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि मॉरिशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए भी भारत पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत ने मॉरिशस में आयुष उत्कृष्टता केन्द्र, 500 बिस्तर का सर शिवसागर रामगुलाम राष्ट्रीय अस्पताल, वेटेनरी स्कूल और पशु अस्पताल के निर्माण सहयोग का भी निर्णय लिया है। दोनों देशों ने हाइड्रोग्राफी के क्षेत्र में एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किये हैं। इसके अलावा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास तथा इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ प्लांटेशन मैनेजमेंट ने भी

मॉरिशस विश्वविद्यालय के साथ समझौते किये हैं। श्री मोदी ने भारत की यात्रा पर आये मॉरिशस के प्रधानमंत्री डा. नवीनचन्द्र रामगुलाम के साथ गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में यह घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मॉरिशस के विकास में एक विश्वसनीय और प्राथमिक साझेदार होना भारत के लिए गर्व की बात है और इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने मॉरिशस की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से उसके लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज के बारे में निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, आज हमने मॉरिशस की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए एक विशेष आर्थिक पैकेज पर निर्णय लिया है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेगा, रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करेगा। श्री मोदी ने कहा कि यह सहायता नहीं बल्कि दोनों देशों के साझा भविष्य के लिए निवेश है।

राजनाथ सिंह ने रवाना किया 'समुद्र प्रदक्षिणा', दुनिया में बजेगा नारी शक्ति का डंका!

नई दिल्ली, एजेंसी। नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से दुनिया के पहले ऐतिहासिक त्रि–सेवा महिला परिक्रमा नौकायन अभियान, समुद्र प्रदक्षिणा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता और संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और उसकी सैन्य कूटनीति और वैश्विक दृष्टिकोण का एक ज्वलंत प्रतीक बताया।

अगले नौ महीनों में, 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार होकर लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करते हुए पूर्वी मार्ग पर यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन महान अंतरीपों – लीउविन, हॉर्न और गुड होप – का चक्कर लगाते हुए सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर और ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले टीम चार अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा भी करेगी। राजनाथ सिंह ने समुद्र प्रदक्षिणा को न केवल एक जहाज़ पर की जाने वाली यात्रा, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना और अनुशासन व दृढ़ संकल्प की यात्रा भी बताया। उन्होंने कहा, अभियान के दौरान, हमारे अधिकारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनके दृढ़ संकल्प की लौ अंधकार को चीरती रहेगी। वे सुरक्षित घर लौटेंगे और दुनिया को दिखाएंगे कि भारतीय महिलाओं का पराक्रम किसी भी सीमा से परे है। रक्षा मंत्री सिंह ने हाल ही में दो भारतीय महिला नौसेना अधिकारियों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए द्वारा हासिल की गई असाधारण उपलब्धि को याद किया, जिन्होंने साहस और समर्पण के साथ कई चुनौतियों का सामना करते हुए, एक अन्य स्वदेशी पोत, आईएनएस तारिणी पर सवार होकर, सफलतापूर्वक दुनिया की परिक्रमा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आईएएसवी त्रिवेणी समुद्री साहसिक कार्य में एक और वैश्विक मानक स्थापित करेगी और भारत की समुद्री यात्रा में एक और स्वर्णिम अध्याय लिखेगी।

नागरिकता मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट का बड़ा फैसला, सोनिया गांधी पर एफआईआर दर्ज करने की मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी।कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत से राहत मिली, जिसने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनका नाम भारतीय नागरिकता प्राप्त करने से तीन साल पहले मतदाता सूची में शामिल था। यह याचिका विकास त्रिपाठी नामक शख्स ने दायर की थी, जिसमें सोनिया गांधी पर फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में नाम शामिल करवाने का आरोप लगाया गया था। शिकायत के अनुसार, मूल रूप से इतालवी नागरिक सोनिया गांधी 30 अप्रैल, 1983 को नागरिकता अधिनियम की धारा 5 के तहत भारतीय नागरिक बन गईं। हालाँकि, उनका नाम 1981–82 में ही नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में शामिल हो गया था, जिससे उस समय चुनाव आयोग को सौंपे गए दस्तावेज़ों पर सवाल उठे। अधिवक्ता नारंग ने बताया कि सोनिया गांधी का नाम, उनके दिवंगत देवर संजय गांधी के साथ, 1982 में मतदाता सूची से हटा दिया गया था। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह का विलोपन दर्शाता है कि मतदाता सूची में उनका पूर्व प्रवेश अनियमित था, क्योंकि केवल भारतीय नागरिक ही मतदाता के रूप में नामांकित होने के पात्र हैं।

हाइड्रोजन बम आएगा, सारा का सारा साफ हो जाएगा

रायबरेली में फिर बोले राहुल गांधी

रायबरेली, संवाददाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में हैं। बृहस्पतिवार को दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद जब वो बाहर निकले तो मीडिया को बयान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान न हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे। वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उनके निशाने पर चुनाव आयोग रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के बल पर ही कांग्रेस आगे बढ़ रही है। हम आप सभी के बदौलत परिवर्तन करेंगे। एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी के पहुंचते ही कांग्रेस पदाधिकारियों, प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही पूर्व विधायक अजय पाल सिंह ने संविधान की किताब भेंट की। राहुल गांधी ने अपने श्वोट चोर गद्दी छोड़ मिशनश पर कार्यकर्ताओं में जोश भरा और वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक के विधानसभा चुनाव से चुनाव आयोग की मिलीभगत से भाजपा की वोट चोरी पकड़ी गई है। इस कारण भाजपा परेशान है। कहा कि इस सरकार में संविधान खतरे में है। हमारे अधिकारों को कुचलने की कोशिश की जा रही है। कार्यक्रम के बाद राहुल गांधी एनटीपीसी परियोजना के वीआईपी गेस्ट हाउस पहुंचे, जहां वह रात्रि विश्राम करेंगे।

श्रीनगर में संजय सिंह नजरबंद! फारूक से मिलने से रोका: केजरीवाल बोले– ये तानाशाही!

श्रीनगर, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को सांसद संजय सिंह से मिलने नहीं दिए जाने पर केंद्र सरकार

पर निशाना साधा है। संजय सिंह आप विधायक मेहराज मलिक की गिरफ्तारी का विरोध करने श्रीनगर गए थे। केजरीवाल ने एक पोस्ट शेयर करते हुए जम्मू–कश्मीर पुलिस की कार्रवाई को गुंडागर्दी और तानाशाही बताया। आप संयोजक ने लिखा, पूर्व मुख्यमंत्री, जो वर्तमान मुख्यमंत्री के पिता हैं, को अपने ही राज्य में संजय सिंह से मिलने नहीं दिया जा रहा है? यह सरासर गुंडागर्दी और तानाशाही है। संजय सिंह ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, ष्यह बहुत दुखद है कि फारूक अब्दुल्ला जी, जो कई बार जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं, पुलिस द्वारा मेरी नज़रबंदी की खबर सुनकर सरकारी गेस्ट हाउस में मुझसे मिलने आए, लेकिन उन्हें मुझसे मिलने नहीं दिया गया। यह तानाशाही नहीं तो और क्या है?ष जम्मू–कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह वास्तविकता है कि संजय सिंह को जेल में बंद किया गया था। बार–बार ऐसी चीजें की जा रही हैं। ऐसा कहा जाता है कि जम्मू–कश्मीर में सब कुछ ठीक है और एक नया जम्मू–कश्मीर उभर रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वे हमेशा हमारे खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हैं।

भागवत को जन्मदिन पर मोदी की बधाई आरएसएस को खुश करने की कोशिश : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत को जन्मदिन पर बधाई दी लेकिन उनके संदेश से लगता है कि प्रधानमंत्री आरएसएस को खुश करने की कोशिश में हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री ने आरएसएस नेतृत्व को खुश करने की अपनी बेताब कोशिश में आज मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर एक अतिशयोक्तिपूर्ण विशेष संदेश लिखा है। श्री रमेश ने लिखा, ष्प्रधानमंत्री ने याद किया कि 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में अपना अमर भाषण दिया था। प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में अल–कायदा के आतंकी हमले हुए थे लेकिन हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ने यह ज़िक्र नहीं किया कि 11 सितंबर 1906 को महात्मा गांधी ने जोहान्सबर्ग में पहली बार सत्याग्रह का आह्वान किया था।

दुनिया में पहले नंबर पर पहुंचने की क्षमता रखता है भारतीय वाहन उद्योग – गडकरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय वाहन उद्योग का देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान है और इसमें दुनिया में पहले नंबर पर पहुंचने की क्षमता है। श्री गडकरी ने यहां घरेलू वाहन निर्माता कंपनियों के संगठन सियाम के वार्षिक अधिवेशन में कहा कि कुछ साल पहले भारतीय वाहन उद्योग दुनिया में सातवें स्थान पर था, आज हम जापान को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। उन्होंने कहा, ष्मेरा विश्वास है आप सब लोगों की क्षमता पर। आप सब लोग यदि मिलकर काम करेंगे तो हम वाहन सेक्टर में दुनिया में नंबर एक पर जा सकते हैं। पांच

लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का प्रधानमंत्री का जो सपना है उसमें इस उद्योग की भूमिका सबसे अहम है।ष एक संवाद सत्र में उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण में 40 प्रतिशत वाहनों के कारण होता है। सरकार अब प्रदूषण कम करने के लिए जैव ईंधन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा बीएस सात मानक लाने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने उद्योग से कहा कि सरकार कुछ अलग नहीं करेगी, यह भी यूरोपीय मानक के अनुरूप ही होगा। पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण के बारे में श्री गडकरी ने कहा कि ई20 (20 प्रतिशत मिश्रण) से आगे कोई कदम उठाते समय वाहन उद्योग से भी चर्चा की जायेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ई20 के खिलाफ पिछले दिनों चलाये गये अभियान को ष्पेडष बताते हुये कहा कि कहने को तो यह अभियान इथेनॉल के खिलाफ था लेकिन राजनीतिक रूप से यह उन्हें निशाना बनाने के लिए था। उन्होंने कहा कि इथेनॉल पेट्रोलियम आयात का विकल्प है, इससे प्रदूषण कम होता है और किसानों की आमदनी बढ़ाने वाला है। उन्होंने वाहन उद्योग से वाहन परीक्षण केंद्र स्थापित करने और स्क्रैपिंग को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह पुराने वाहन को स्क्रैप करके नये वाहन खरीदने वालों के लिए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट पर भी सरकार के अंदर पैरवी कर रहे हैं।

मोदी ने भागवत को दी जन्मदिन की बधाई

लेख लिखकर उनके परिवार से अपने रिश्ते को किया उजागर

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। श्री मोदी ने देश और समाज के प्रति श्री भागवत के सेवा कार्य का उल्लेख करते हुए उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बधाई संदेश में कहा, श्री भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता–समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। उन्होंने कहा, मां भारती की सेवा में सदैव तत्पर मोहन जी के 75वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर मैंने उनके प्रेरक व्यक्तित्व को लेकर अपनी भावनाएं रखी

हैं। मैं उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया में डॉ. भागवत को लेकर एक लेख लिख कर संघ प्रमुख से अपने गहरे संबंधों का उल्लेख किया है। उन्होंने लिखा है कि आज 11 सितंबर है। यह दिन अलग–अलग स्मृतियों से जुड़ा है। एक स्मृति 1893 की है, जब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व बंधुत्व का संदेश दिया था और दूसरी स्मृति है 9/11 का आतंकी हमला, जब विश्व बंधुत्व को सबसे बड़ी चोट पहुंचाई गयी थी। आज के दिन की एक और विशेष बात है। आज एक ऐसे व्यक्तित्व का 75वां जन्मदिवस है जिन्होंने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र पर चलते हुए समाज को संगठित करने, समता–समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। संघ परिवार में जिन्हें परम पूजनीय सरसंघचालक के रूप में श्रद्धा भाव से संबोधित किया जाता है, ऐसे आदरणीय मोहन भागवत जी का आज जन्मदिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, श्री मोहन जी के परिवार से मेरा गहरा नाता रहा है। मुझे मोहन जी के पिता स्वर्गीय मधुकरराव भागवत जी के साथ निकटता से काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने अपनी पुस्तक ज्योतिपुंज में उनके बारे में विस्तार से लिखा है। कानूनी जगत से जुड़े होने के साथ–साथ उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए भी खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने पूरे गुजरात में आरएसएस को मज़बूत करने में अहम भूमिका निभायी।

कल्याण सिंह कैंसर संस्थान, अत्याधुनिक वैश्विक तकनीक व गुणवत्तापूर्ण सुविधाओं के साथ मरीजों का उपचार कर रहा है : प्रो. भट्ट

लखनऊ। कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान अपने विश्वस्तरीय मशीनों, योग्य चिकित्सकों व उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ कैंसर रोगियों के उपचार में उच्च मानक स्थापित कर रहा है। संस्थान की लोकप्रियता बढ़ने से यहां सूदूर स्थानों से आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। यह जानकारी कल्याण सिंह अतिविशिष्ट कैंसर संस्थान के निदेशक प्रो0 श्री मदन लाल ब्रह्म भट्ट ने आज संस्थान में आयोजित एक प्रेसवार्ता में

दी। उन्होंने बताया कि कैंसर संस्थान में सप्ताह में छः दिन ओपीडी सेवा संचालित है, लगभग 400 मरीज ओपीडी से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा हमारे सभी संकाय विभाग सक्रिय रूप से संचालित हो रहे हैं। संस्थान में 280 इन्डोर वेड संचालित है, जिसे शीघ्र ही 500 कर लिया जायेगा, इसके साथ ही कैंसर संस्थान में आठ आपरेशन थियेटर के माध्यम से प्रति सप्ताह औसत 12 से 15 सर्जरी की जा रही है।

श्री मदन लाल भट्ट ने कहा कि संस्थान के कार्यक्षमता में वृद्धि हेतु लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में वृहत स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों व कार्मिकों की नियुक्ति की गयी है तथा उच्च वैश्विक तकनीक पर आधारित अत्याधुनिक मशीनों की खरीद की गयी है। जिन प्रमुख मशीनों की खरीद की गयी है उनमें साइबर नाइफ, पेट सीटी, उच्चस्तरीय ब्रेकीथेरेपी डिजिटल रेडियोग्राफी, युएसजी मशीन के साथ लगभग 5.5 करोड़ की लागत से डीजीटल मेमोग्राफी युनिट का संचालन प्रमुख है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही टेमोथेरेपी, डिजिटल पैथालॉजी, न्यूरोसर्जिकल माइक्रोस्कोप की खरीद की जायेगी। संस्थान में विश्वस्तरीय बल्ड बैंक भी स्थापित किया गया है।

श्री भट्ट ने कहा कि संस्थान में चिकित्सा शिक्षा हेतु चार नये विभागों के संचालन के लिए मान्यता ली गयी है तथा शोध व नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आईआईटी जैसे संसथानों से 11 एमओयू हस्ताक्षरित किये गये हैं। उन्होंने मीडिया बन्धू से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जानकारी के अभाव में जो लोग इधर उधर भटक रहे हैं, उन्हें यहां की सुविधाओं के बारे में अवगत कराकर सुलभ एवं सस्ते उपचार हेतु प्रोत्साहित करें।

निदेशक ने बताया कि संस्थान में प्रधानमंत्री राहत कोष, मुख्यमंत्री राहत कोष, आयुष्मान भारत योजना, आसाध्य रोग योजना तथा पं0 दीनदयाल कैशलेस योजना से हजारों की संख्या में रोगी लाभान्वित हो रहे हैं। इन योजनाओं के संचालन में सरकार का अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है। संस्थान इन्फ्रास्टक्चर, मानव संसाधन पर्यावरण व रोगी कल्याण की दिशा में दिन प्रतिदिन प्रगति कर रहा है ।

माँ वैष्णो देवी यात्रा हादसे में घायल श्रद्धालु के उपचार हेतु मंत्री कपिल देव अग्रवाल पहुँचे वर्धमान हास्पिटल

नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था एवं मृतक परिवारों को 50,000 की आर्थिक सहायता प्रदान

मुज़फ्फरनगर। आज उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग कपिल देव अग्रवाल ने अपनी संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण का परिचय देते हुए माँ वैष्णो देवी यात्रा के दौरान हुए दुःखद हादसे में गंभीर रूप से घायल श्रद्धालु अजय कुमार प्रजापति (निवासीदृरामपुरी, शहबुद्दीनपुर) को स्वयं अपनी देखरेख में जानसठ रोड स्थित वर्धमान हॉस्पिटल लेकर पहुँचे। मंत्री जी ने उनकी बेहतर चिकित्सा सुनिश्चित करने हेतु प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मुकेश जैन से मुलाकात कर अजय प्रजापति का संपूर्ण चिकित्सीय परामर्श कराया। इस अवसर पर मंत्री कपिल देव के आग्रह पर डॉ. मुकेश जैन ने अत्यंत

सराहनीय निर्णय लेते हुए घायल श्रद्धालु का संपूर्ण उपचार पूर्णतः निःशुल्क करने की घोषणा की। यह निर्णय समाज के प्रति चिकित्सकों की सेवा भावना एवं मानवीय मूल्यों का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करता है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने अस्पताल पहुँचकर घायल श्रद्धालु के परिवारजनों से मुलाकात की, उनके दुख में सहभागी बने और उन्हें हर परिस्थिति में सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री कपिल देव ने कहा कि इस कठिन समय में हम सबको मिलकर पीड़ित परिवार के साथ खड़ा होना है। संकट की घड़ी में सहयोग और संवेदना ही सबसे बड़ा संबल है। राज्य सरकार और भारतीय जनता पार्टी हर प्रकार की मदद के लिए सदैव तत्पर है।

इसके अतिरिक्त, मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस हादसे में दिवंगत हुए श्रद्धालुओं के परिजनों की सहायता हेतु व्यक्तिगत रूप से ध्50,000 की आर्थिक सहयोग राशि प्रदान की। इस सहयोग का उद्देश्य शोकाकुल परिवारों को तत्काल राहत और संबल प्रदान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी दुखद घटनाएँ समाज को एकजुट होकर मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का संदेश देती हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीड़ितों और उनके परिजनों को आवश्यक सुविधाएँ व सहायता समय से उपलब्ध कराई जाए।

रोज होता है लाखों का कारोबार, फिर भी मंडी बदहाली का शिकार

प्रयागराज। सब्जी और फल की जिले की सबसे बड़ी मंडी मुंडेरा देखरेख के अभाव में बदहाली का शिकार है। नियमित तौर पर मंडी शुल्क वसूलने के बाद भी यहां की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। मंडी परिसर के अंदर की सड़कें जर्जर हो चुकी हैं और इन पर जगह–जगह गड्ढे हो चुके हैं। नालियां सफाई न होने से चोक हो हैं। जिसकी वजह से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मंडी परिसर में हर तरफ छुट्टा मवेशी घूमते नजर आते जो यहां के कारोबारियों के लिए बड़ी समस्या बने हुए हैं। मंडी पहुंची तो परिसर में व्यापार करने वालों ने बताया कि लंबे समय से मंडी की बुनियादी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ है, इसमें जल्द सुधार लाने की जरूरत है।

नवीन फल एवं सब्जी मंडी मुंडेरा में नियमित तौर पर देशभर से 100 से अधिक ट्रकों से फल और सब्जियां पहुंचती हैं। रात में तीन बजे से दोपहर 12 बजे तक मंडी में सबसे अधिक भीड़ होती है। देखा जाए तो मंडी में व्यापार और काम के लिए रोजाना हजारों लोग आते हैं फिर भी परिसर में प्रवेश करते ही जगह–जगह जमा कूड़े का ढेर, दुकानों की टूटी छत, बिजली के तिरछे पोल, खराब स्ट्रीट लाइटें, बेकार पड़े हैंडपंप और वाटर कूलर यहां के हालात को बयां करते हैं। इन समस्याओं की वजह से यहां आने वाले किसानों, आढ़तियों, मजदूरों और खरीदारों को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मंडी में 435 दुकानें आवंटित हैं, जिनमें ए, बी और सी श्रेणी की दुकानें और ट्रेडर्स गद्दी शामिल है। इनका किराया 1000 से 2500 रुपये मासिक तक है लेकिन इसके बाद भी मंडी में सुविधाओं का अभाव है। लंबे समय से मंडी में कोल्ड स्टोर की मांग फल–सब्जी व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फूलचंद

कुशवाहा ने बताया कि हमारे महासंघ ने कई बार यह मुद्दा उठाया लेकिन आज तक कोल्ड स्टोर नहीं बना। मजबूरन हमें आलू और फलों को दूसरे जिलों के कोल्ड स्टोर में रखना पड़ता है, जिससे दोहरा किराया देना पड़ता है और ग्राहकों पर बोझ बढ़ता है। व्यापारियों का कहना है कि अगर मंडी में ही कोल्ड स्टोर बन जाए तो उन्हें बड़ी सहूलियत होगी। साथ ही ऑफ सीजन में शहरियों को महंगी सब्जियां और फल खरीदने से भी छुटकारा मिलेगा। जैविक बाजार का संचालन पड़ा ठप मंडी परिसर में जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र स्थापित किया गया था। यहां सप्ताह में एक बार मेले का भी आयोजन किया जाता था लेकिन पिछले कई माह से जैविक बाजार बंद होने की वजह से जैविक खेती करने वाले किसानों के सामने समस्या बनी हुई है। किसान अपने जैविक उत्पादों को एक मंच पर बेच नहीं पा रहे हैं। जिलेभर में करीब चार हजार हेक्टेयर जमीन पर जैविक खेती की जाती है लेकिन जैविक बाजार के भवन में कई माह से ताला लटक रहा है। मंडी में प्राथमिक चिकित्सा सुविधा नहीं मंडी परिसर में नियमित तौर पर अच्छी खासी लोगों की भीड़ होती है लेकिन इसके बाद भी यदि किसी के साथ कोई दुर्घटना हो जाए या तबीयत खराब हो जाए तो उसके लिए प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था मौजूद नहीं है। मंडी के व्यापारियों ने कहा कि अगर परिसर में प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध हो जाए तो काफी राहत यहां के लोगों को मिलेगी। दुकानों की छतों से गिरता है प्लास्टर मुंडेरा मंडी में आवंटित सरकारी दुकानों की छतों का प्लास्तर टूट कर गिर रहा है। जो बड़े हादसे का सबब भी बन सकता है। लंबे समय से पुरानी हो चुकी दुकानों की मरम्मत नहीं होने के चलते मंडी की अधिकतर दुकानें जर्जर हो चुकी हैं। कई दुकानों के छतों से लोहे की सरिया तक बाहर झांक रही है।

कई सालों से मंडी परिसर में सड़क की हालत दयनीय बनी हुई है। जिसके चलते बारिश के दिनों में सड़क पर हुए गड्ढों में पानी भर जाता है। इन गड्ढों में गिरकर कई बार लोग चोटिल हो चुके हैं। –रिंकू सोनकर मंडी परिसर में पेयजल की व्यवस्था नहीं होने से शुद्ध पानी की दिक्कत बनी हुई है। मजबूरन पानी बाहर से खरीदना पड़ता है। वाटर कूलर को जल्द ठीक किया जाना जरूरी है। –जहांगीर मंडी में गंदगी की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। गंदगी के ढेर के चलते बीमारियों से लेकर मच्छरों तक की समस्या बनी हुई है। जिम्मेदारों को इस ओर ध्यान देना चाहिए। –दिनेश परिसर में आवारा पशु समस्या बने हुए हैं। मौका पाते ही फल और सब्जियों को नष्ट कर देते हैं। कई बार तो लोगों पर हमलावर भी हो चुके हैं। इन्हें पकड़ने की व्यवस्था जल्द करनी चाहिए।–रामू सोनकर मंडी परिसर की नालियां लंबे समय से सफाई न होने के चलते चोक हो चुकी हैं। जिसके चलते बारिश को दिनों में मंडी में कई फीट तक जलभराव की स्थिति बनी रहती है।–कल्लू मंडी में सड़कों से अतिक्रमण हट जाए तो बेहतर होगा। इसके चलते वाहनों के निकलने में दिक्कत बनी रहती है। मंडी परिसर की सड़क की मरम्मत और सुधार की सख्त जरूरत है।–तारिक मंडी में व्यापारियों से शुल्क लेने के बाद भी जरूरी व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। इसके चलते व्यापार पर भी असर पड़ता है। परिसर में सफाई की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए। –राहुल मंडी में पेयजल और सफाई की व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। पानी के लिए अन्य विकल्पों पर लोग आश्रित होते है। वहीं, कचरों के ढेर में छुट्टा जानवर गंदगी फैलाते नजर आते हैं।–राम शंभुलाल मंडी परिसर में कई स्थानों पर लंबे समय से स्ट्रीट लाइटें खराब हैं। जिसके चलते रात के समय अंधेरा छाया रहता है और लोगों आने–जाने में परेशानी होती है। –उमा शंकर मंडी परिसर की सफाई व्यवस्था ठीक हो जाए तो बेहतर होगा। वहीं, मंडी में भोर में पहुंचने पर लाइटें नहीं जलने दिक्कत होती है। एक जगह से दूसरी जगह जाने में दिक्कत होती है। –जानू मंडी परिसर में जल निकासी की व्यवस्था ठीक नहीं होने के चलते बारिश के दिनों में जलभराव हो जाता है। वहीं टूटी सड़कें और चोक नालियां समस्या बनी हुई है। –विनोद दिनकर मंडी परिसर में जर्जर हो चुकी पुरानी दुकानों को मरम्मत की सख्त जरूरत है। दुकानों की छतों से प्लास्टर टूट कर गिर रहा है। वही, छुट्टा जानवर की समस्या भी बनी हुई है। –मुन्ना लाल मंडी में सफाई के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। नालियों के चोक होने के चलते परिसर में दूषित जल जमा होता है। चारों ओर गंदगी के चलते संक्रामक बीमारियों का भी खतरा बना हुआ है।–मंगली प्रसाद कुशवाहा मंडी परिसर में बने जैविक बाजार बंद होने के चलते जैविक फसलों को बढ़ावा नहीं मिल पा रहा है। जल्द ही जैविक बाजार का संचालन शुरू होना चाहिए। –सतीश शुक्ला बोले जिम्मेदार मंडी की सड़कों से लेकर दुकानों की मरम्मत के लिए शासन में प्रस्ताव भेजा गया है। बजट स्वीकृत होते ही कार्य शुरू करा दिया जाएंगा। वहीं, सफाई व्यवस्था में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए जाएंगे। सुधांशु कुमार, मंडी सचिव

प्रयागराज में बाढ़ से राहत को अभी और इंतजार, शाहजहांपुर में पानी उतरने से हाईवे पर यातायात शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा के कछारी इलाकों को बाढ़ से राहत मिलने की उम्मीद बढ़ रही है। गंगा–यमुना का पानी घट रहा है। पानी घटने का सिलसिला आगे भी जारी रहने की उम्मीद है, लेकिन बाढ़ पीड़ितों को पूरी तरह राहत के लिए कुछ दिन इंतजार करना पड़ेगा। फाफामऊ में गंगा और नैनी में यमुना का जलस्तर घटने की रफ्तार औसत आधा सेमी प्रति घंटा तक सीमित है। हालांकि बुधवार रात आठ बजे फाफामऊ में गंगा एकबार फिर स्थिर हो गईं। इसी वजह से कछारी इलाकों से बाढ़ का पानी निकलने में कई दिन लग सकते हैं।

कानपुर बैराज से लगातार साढ़े चार लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने का दबाव है। इटावा, चिल्लाघाट से आया पानी भी संगम क्षेत्र के अधिकतर हिस्से पर कब्जा जमाए है। छतनाग के आगे भी वाराणसी तक गंगा का प्रवाह क्षेत्र लबालब है। इसके चलते छतनाग के आगे गंगा का प्रवाह बेहद धीमा हो गया है। यहां आगरा और इटावा से यमुना में पानी आने को लेकर सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) थोड़ा चिंतित है। छतनाग के आगे गंगा का प्रवाह तेज नहीं होने पर आगरा और इटावा से आने वाले पानी से राहत के इंतजार का दायरा बढ़ सकता है।

सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता दिग्विजय नारायण शुक्ला ने बताया कि गंगा–यमुना

का जलस्तर धीमी गति से लगातार घटना राहत का संकेत है। दो दिन गंगा और इसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्र में बारिश से यहां का गंगा का जलस्तर बढ़ा। उसी दौरान यमुना में भी पानी बढ़ रहा था। यदि गंगा–यमुना के प्रवाह क्षेत्र में बारिश नहीं होती तो पहले जैसी स्थिति होने की संभावना नहीं। अधिशासी अभियंता के अनुसार पांचवें चरण में गंगा–यमुना का जलस्तर लाल निशान छूने की संभावना कम हो गई है।

हाईवे पर आवागमन शुरू

शाहजहांपुर में गंगा और रामगंगा नदी का जलस्तर मे काफी गिरावट से बाढ़ के हालात मे सुधार हुआ है। लेकिन निकले इलाको मे जल भराव के चलते मुश्किलें बरकरार है। सम्पर्क मार्गो के कटने से आवागमन बाधित है। लोगो को जरूरी सामान के लिए पैदल जाने को मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र मे शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर आने मे समय लगेगा। बाढ़ से हुई बर्बादी से तटवर्ती गांवो के लोग मायूस है और प्रशासन से राहत की उम्मीद लगा रहे है।

मिर्जापुर क्षेत्र मे बुधवार को गंगा के जलस्तर मे हुई भारी गिरावट से स्टेट हाइवे पर प्रशासन द्वारा पुलिस की मौजूदगी मे आवागमन शुरू करा दिया गया है। गुटेटी उत्तर गांव के पास रपटा पुलिया पर करीब एक फिट बाढ़ का पानी बह रहा है। चौरा गांव के पास भी स्टेट हाइवे पर करीब डेढ़ फिट पानी बह रहा है। वही नगला बसोला मार्ग पर बाढ़ के पानी के चलते सड़क कटी हुई है और बाढ़ का पानी दो फिट से अधिक सड़क पर बहने से आवागमन बाधित है।

पलानी, आजादनगर, इस्लामनगर समते कई गांवो मे बाढ़ का पानी भरा होने से ग्रामीणों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। नदी की बाढ़ ने सैकड़ों हैक्टेएर फसलों को खत्म कर दिया है जिससे किसानों को अपने भविष्य की चिंता सता रही है। वही रामगंगा की उछाल मरती लहरों ने कई संपर्क मार्गों को निशाना बनाते हुए हुए क्षतिग्रस्त कर दिया है। सड़को में बड़े बड़े गड्ढे हो जाने से आवाजाही प्रभावित हुई है।

पत्रकारों की सुरक्षा पर उठे सवाल, यूपी मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने डीजीपी को लिखा पत्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ा ऐलान किया है। समिति के प्रदेश महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर स्पष्ट निर्देश जारी करने की मांग की है ताकि पत्रकारों को हर हाल में सुरक्षा दी जा सके। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 2017 से लेकर अब तक विभिन्न तिथियों पर जारी किए गए पत्रों का पालन पुलिस विभाग द्वारा नहीं किया जा रहा है। यूपी पत्रकार समिति ने मुख्यालय से जारी निर्देशों (पत्र सं. डीजी–आठ–140 (25) 2017–2019/8985 दिनांक 27 अगस्त 2024 सहित अन्य पत्र) की प्रमाणित प्रतियां ईमेल पर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रदेश महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा व्यवस्था में अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अनुरोध किया है कि इस संबंध में स्पष्ट दिशा–निर्देश सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, पुलिस अधीक्षकों और समस्त पुलिस आयुक्तों को जारी किए जाएं ताकि पत्रकार अपना कार्य निर्भीक होकर कर सकें।

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि पुलिस विभाग के अधिकारी इस निर्देश का अनुपालन नहीं करते हैं, तो इसके जिम्मेदारों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के संरक्षक अशोक कुमार नवरत्न, उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह, कार्यकारिणी सदस्य विजय यादव सहित कई अन्य पदाधिकारी भी इस मुद्दे पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। यह कदम प्रदेश के पत्रकारों के लिए एक बड़ी उम्मीद की किरण माना जा रहा है। समाज में जनहित की खबरें सुरक्षित तरीके से पहुंचाने वाले पत्रकार अब अपनी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त रह सकेंगे, यदि प्रशासन द्वारा उचित कदम उठाए जाते हैं।

आरेडिका में रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग करने पर कार्यवाही

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली के फोर्ज्ड व्हील प्लांट के प्रशासनिक भवन एरिया में लगे चार्जिंग पॉइन्ट पर दिनांक– 07.09.2025 को समय 6:30 बजे बिना प्रशासनिक अनुमति के ड्राइवर राहुल शुक्ला पुत्र शिव गोविन्द शुक्ला उम्र–43 वर्ष निवासी इटौरा बुजुर्ग, थाना गुरुबक्श गंज, जिला रायबरेली को कार संख्या–न्च 32 न्छ 4736 को चार्ज करते हुए आरपीएफ आरेडिका द्वारा पकड़ा गया था।

आरेडिका रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार ने बताया कि राहुल शुक्ला पुत्र शिव गोविन्द शुक्ला के खिलाफ रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग में रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा अपराध संख्या 29/25 सेक्शन– 147, दिनांक–07.09.2025 को मुकदमा दर्ज किया गया है। आगे की कार्यवाही जारी है। इसके साथ ही आरेडिका का ट्रान्सपोर्ट विभाग संबंधित कॉन्ट्रेक्टर पर उचित कार्यवाही कर रहा है।

इससे पूर्व भी एक गाड़ी इसी तरह चार्ज करते हुए पकडी गयी थी जिस पर कोर्ट द्वारा आर्थिक जुर्माना लगाया गया था, तथा विभागीय कार्यवाही भी की गयी थी। आरेडिका प्रशासन किसी भी प्रकार की रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए हमेशा तत्पर है तथा जो भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्रयागराज बहुत प्यारा शहर है: सारा अली

प्रयागराज। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान इन दिनों प्रयागराज में फिल्म पति, पत्नी और वो पार्ट टू की शूटिंग के लिए आई हुई हैं। शूटिंग के दौरान सारा, जहां तीस अगस्त को काशी की गंगा आरती में शामिल हुईं थी और बाबा विश्वनाथ का दर्शन–पूजन किया था वहीं मंगलवार देर शाम अभिनेत्री शिवकुटी स्थित राम बगिया में शूटिंग समाप्त होने के बाद मनकामेश्वर महादेव मंदिर पहुंचीं। मंदिर में सारा ने मनकामेश्वर महादेव का दर्शन–पूजन किया और पुजारी से त्रिपुंड लगवाया। इसके बाद उन्होंने मंदिर के प्रभारी स्वामी श्रीधरानंद ब्रह्मचारी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान स्वामी श्रीधरानंद से सारा ने कहा कि प्रयागराज बहुत प्यारा शहर है। यहां आकर अच्छा लगा है। श्रीधरानंद ने सारा को शहर की धार्मिक व सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में जानकारी दी और शॉल ओढ़ाकर आशीष दिया। मंदिर के कार्यालय की छत पर सारा ने ध्यान भी लगाया। वहीं बुधवार को चंद्रगुप्त मौर्य सीरियल में चाणक्य की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मनीष वाधवा भी मनकामेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने मनकामेश्वर महादेव का दर्शन–पूजन किया और मंदिर के प्रभारी से आशीर्वाद लिया। बता दें कि एक महीने से चल रही फिल्म की शूटिंग का प्रयागराज में गुरुवार को अंतिम दिन है। फिल्म की शूटिंग पिछले तीन दिनों से राम बगिया में चल रही है।

सी. एम .पी. कालेज में राजभाषा पखवाड़े में आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। सी. एम. पी. कालेज इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ।आज दिनांक 11/09/2025 को आशुभाषण प्रतियोगिता हुई ।जिसमें छात्र– छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और साथ ही उनको जो विषय मिला उसपर सभी बच्चों ने अपनी अपनी बातें रखी। निर्णायक की भूमिका में शिक्षा शास्त्र

की संयोजक प्रो.संगीता और उर्दू विभाग से डा. नफीश अहमद मौजूद रहे। हिंदी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो. दीनानाथ ने स्वागत वक्तव्य दिया ।निर्णायक मंडल ने आशुभाषण प्रतियोगिता में पूरे कार्यक्रम का परिणाम घोषित किया। जिसमें प्रथम स्थान शालिनी अग्निहोत्री दूसरे स्थान पर विशाल कुमार प्रजापति तीसरे स्थान पर सुशांत वर्मा और तीन छात्रों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया ।कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ.रमाशंकर ने किया । कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा करते हुए प्रो. संगीता एवं डॉ.नफीश अहमद ने बच्चों को आशीष वचन दिए और कहा कि अपने सपनों का भारत आपसे ही मिलकर बनेगा ।अपने कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर सरोज सिंह ,प्रो. आभा त्रिपाठी , डॉ.अनिरुद्ध श्रीवास्तव ळ्प् प्राचार्य मिर्जापुर, डॉ.मनीष सिंह, डॉ.सत्यप्रकाश श्रीवास्तव,डॉ.भारती कोरी, डॉ. पूजा गौंड, डॉ. राजेन्द्र यादव, डॉ.जी गणेशन मिश्रा, डॉ. रंजीत, डॉ.प्रेमशंकर सिंह, डॉ.रामानुज सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

भीम आर्मी पदाधिकारी के साथ मारपीट, कार्रवाई न होने से रोष

मोरना। लकसर मार्ग से गुज़र रहे भीम आर्मी पदाधिकारी व उसके साथी के साथ कार सवार दबंगो द्वारा सरेआम मारपीट की गयी। कार्रवाई न होने पर भीम आर्मी के दर्जनों कार्यकर्ता गुरुवार को थाने पर पहुंचे और आरोपियों के खिलाफ तड़ित कार्रवाई की मांग की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव योगेन्द्र नगर निवासी व भीम आर्मी पाठशाला के जिला प्रभारी मनीष सम्राट ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि निकटवर्ती गांव खैर

नगर निवासी व्यक्ति ने उससे कुछ पैसे उधार लिए थे ।रकम लौटाने को उसने चौक दिया था। जो बाउंस हो गया। मंगलवार को वह क्षेत्र के लकसर मार्ग से गुज़र रहा था ।तभी रास्ते मे खैर नगर के पास उसे आरोपी कार मे जाता हुआ मिला तो मनीष सम्राट ने चौक बाउंस होने तथा रकम लौटाने को कहा जिसपर आरोपी ने कार मे सवार दो साथियों संग मिलकर मनीष सम्राट व उसके साथी आशुतोष के साथ गाली गलौज कर जातिगत टिप्पणी करते हुए मारपीट की ।तीन दिन बीत जाने के बाद कार्रवाई न होने पर गुरुवार को पीड़ित संग पहुंचे भीम आर्मी कार्यकर्ता संजय रवि,जहीर अहमद, आदेश कुमार,मोहित, मनोज, सन्नी, अंकुर गगंवालिया, अविनाश कुमार भोपा थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने बताया की मामले की तहरीर प्राप्त हुई है। जांच कर कार्रवाई की जायेगी।

पितृपक्ष में की जा रही गंगा घाट पर मां गंगा की भव्य आरती

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ में श्री गंगा सेवा समिति के द्वारा पितृपक्ष के पावन अवसर पर गंगा घाट पर मां गंगा की भव्य आरती का आयोजन किया जा रहा है। अनेक श्रद्धालुओं ने मां गंगा के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित की और अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम में श्रीमद् भागवत कथा आचार्य अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के महामंत्री अजय कृष्ण शास्त्री ने कहा कि पितृपक्ष, जो हिंदू धर्म में पितरों को समर्पित एक महत्वपूर्ण समय है, इस दौरान गंगा स्नान और आरती का विशेष महत्व माना जाता है। गंगा आरती का यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। यह आयोजन 16 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान घाट पर निरंतर जारी रहेगा, जिसमें अनेक श्रद्धालु अपनी आस्था और भक्ति के साथ शामिल होंगे। पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा की आरती की, जिसमें दीप, धूप और पुष्प अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने गंगा के तट पर दीपदान किया और अपने पूर्वजों के लिए तर्पण किया। इस दौरान हर हर गंगे और जय मां गंगे के जयघोष से पूरा घाट गूंज उठा। जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। गांच चौरावाला से आए श्रद्धालु डा. संजू शर्मा ने कहा पितृपक्ष में गंगा आरती में शामिल होना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। यहां की शांति और भक्ति का माहौल मन को सुकून देता है। पंडित अंकित शर्मा, डा. सतीश, रेखा, मैनेजर देवेंद्र आर्य, पंडित देवेंद्र शर्मा, पंडित भोपाल, महेश शर्मा, सचिन शर्मा, धर्मदास सेवक मौजूद रहे।

लोकपाल ने सदर ब्लाक के पूरे रायजू और पूरे माधो सिंह का किया निरीक्षण

16 को खुईलन झील के पुनरोद्धार कार्यो का जायजा लेने जायेंगे लोकपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने सदर ब्लाक के पूरे रायजू ग्राम पंचायत स्थित अति प्राचीन संकटहरणी देवी धाम का दर्शन पूजन कर ग्राम पंचायत द्वारा बनाये गए पार्क का जायजा लिया। वहीं पूरे माधव सिंह ग्राम में पंचायत सचिवालय और ग्राम स्थित माधवेश्वर महादेव धाम का दर्शन पूजन किया और ग्राम का भ्रमण करके विकास कार्यो को देखा।

लोकपाल मांधाता ब्लाक स्थित जनपद के प्रमुख वेट लैंड (नम भूमि) क्षेत्र में मनरेगा द्वारा कराये गए पुनरो द्धार के कार्यो का 16 सितंबर को स्थलीय भ्रमण व निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करेंगे।

लोकपाल समाज शेखर प्राण अचानक सदर ब्लाक के संकट हरणी धाम पहुँचे। धाम पर ग्राम पंचायत द्वारा बने मनरेगा पार्क की दशा देखकर दुख व्यक्त किया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने बताया की कार्य के नाम पर खानापूर्ति की गई है। इसकी जांच की लोगो ने मांग की। जिस पर लोकपाल ने अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा सदर अंकित गुप्ता को 12 सितंबर को पार्क तथा धाम पर अथवा आस पास

कराये गए अन्य सभी कार्यो से संबंधित पत्रावली के साथ संबंधित मनरेगा कर्मियों को लोकपाल कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

लोकपाल समाज शेखर पूरे माधव सिंह ग्राम में ग्राम सचिवालय 4 बजे शाम को पहुँचे। पंचायत सहायक कार्यालय में मौजूद मिली। बताया की 10 बजे से 5 बजे तक हम अपनी सेवाएं दे रही हूँ। वहीं लोकपाल ने फोन से ग्राम विकास अधिकारी तथा सचिव से वार्ता कर मनरेगा योजना की प्रगति जानी। ग्राम वासियों ने बताया की हमारे ग्राम में मनरेगा का कार्य बहुत कम होता है जबकि यह ग्राम अग्रणी ग्रामो में बहुत पहले से प्रसिद्ध रहा है। तालाब, चक मार्ग आदि का विकास नही हो रहा है। लोकपाल ने पाया की ग्राम में स्वच्छता व पर्यावरण की स्थित काफी बेहतर है इसे जीवंत बनाये रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्राम सभा को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। साथ ही पंचायत को और अधिक सशक्त तरीके से ग्राम का सर्वांगीण विकास किये जाने का सुझाव दिया। तदोपरांत लोकपाल ग्राम के मूल निवासी मुंबई प्रवासी प्रसिद्ध व्यक्तित्व धनेश पांडेय व महेश पांडेय के यहाँ आयोजित गया जी के भंडारा में ग्राम वासियों के साथ देर रात्रि तक शामिल रहे।

लोकपाल समाज शेखर ने मांधाता ब्लाक के प्राचीन खुईलन झील में मनरेगा द्वारा हुए विकास कार्यो का भ्रमण कर निरीक्षण का निर्णय लिया। मनरेगा कार्यो का जायजा लेने वह 16 सितंबर को जायेंगे। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी मांधाता व भूमि संरक्षण विभाग को आवश्यक सुव्यवस्था व संबंधित मनरेगा कर्मियों की सहभागिता हेतु निर्देश प्रेषित किया गया है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक हुई एटा जिले में आयोजित

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (रजि.) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक एटा जिले में आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा जी एवं संचालन आदरणीय प्रदेश महामंत्री राजेंद्र गुप्ता जी की अगुवाई संपन्न हुई । मुजफ्फरनगर से वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री अशोक कंसल जी के नेतृत्व में प्रदेश संगठन मंत्री दिनेश बंसल जी, नगर अध्यक्ष अजय सिंघल जी, जिला महामंत्री श्याम सिंह सैनी जी, जिला मीडिया प्रभारी हिमांशु कौशिक जी, प्रदेश संरक्षक सरदार सुलखन सिंह जी, प्रांतीय संगठन मंत्री बाबूराम मलिक जी एवं जिला उपाध्यक्ष रामपाल सेन जी उपस्थित रहे । प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा एक राजनीतिक समन्वय समिति का गठन किया गया जिसका संयोजक पश्चिमी क्षेत्र से आदरणीय पूर्व विधायक अशोक कंसल जी एवं सहसंयोजक के रूप में पूर्वी क्षेत्र से श्री राजकुमार अग्रवाल माट वाले नियुक्त किए गए । उपस्थित सदन में हर व्यापारी बंधु ने ध्वनि करतल से इनका स्वागत किया । प्रदेश महामंत्री श्री राजेंद्र गुप्ता जी ने बताया कि संयोजक और सहसंयोजक को यह अधिकार होगा कि वह कितने ही सदस्य इस समिति में शामिल कर सकते हैं तथा राजनीतिक दलों से भेंट करें शासन– प्रशासन से वार्ता करें, राजनीतिक चर्चा करें और अपने व्यापार मंडल के लोगों को अधिक से अधिक कैसे इसमें लाभ दिलवाया जा सके इस हेतु कोई भी अच्छी कार्य योजना तैयार करें । प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा जी को अशोक कंसल जी एवं उनकी टीम द्वारा एक ज्ञापन सोपा गया जिसमें कुछ बिंदु इस प्रकार थे –

उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश की अर्थव्यवस्था को विश्व में उन्नत बनाने का संकल्प लिया है, इस संकल्प में देश का व्यापारी भी आदरणीय मोदी जी के साथ है । अभी हाल ही में मोदी जी ने कर व्यवस्था सुधारने का जबरदस्त प्रयास किया है जिसे हम तहे दिल से स्वागत करते हैं । 8 वर्षों बाद एक राष्ट्र–एक कर की अवधारणा से विलासिता की वस्तुओं को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर जीएसटी के चार स्लैब की जगह दो स्लैब 5: व 18: करने पर भारत सरकार व वित्त मंत्री को बहुत–बहुत बधाई दी और बताया कि अभी भी कुछ ज्वलंत समस्याएं बाकी रह गई है जो आपके सम्मुख रखने का प्रयास कर रहे हैं ।

कपड़े पर 5: जीएसटी है लेकिन ढाई हजार से अधिक रेडीमेड कपड़े खरीदने पर 18: जीएसटी कर दी गई है । कर व्यवस्था में एकरूपता लाने के लिए रेडीमेड गारमेंट्स पर भी 5: की जीएसटी लगाई जाए । वैसे भी महंगाई के दौर में ढाई हजार की कैंपिंग बहुत कम है । पेपर पर 18 पर्सेंट जीएसटी लगाया गया है जबकि कच्चा माल और पेपर से बने पैकेजिंग पर 5: जीएसटी है, पेपर पर भी 5: जीएसटी लगाकर एकरूपता लाई जा सकती है । स्कूल जाने वाले बच्चों के बैग पर जीएसटी 18: है जबकि पढ़ाई लिखाई की अन्य वस्तुओं पर जीएसटी निल कर दिया गया है । स्कूल बैग पर भी जीएसटी निल कराई जाए । पढ़ाई में काम आने वाली सभी चीजों के जीएसटी में एकरुपता होनी चाहिए । पूरे प्रदेश के साथ मुजफ्फरनगर में भी विद्युत की व्यवस्था बदहाल हो चुकी है । उद्यमी, व्यापारी, आम जनमानस सभी त्रस्त हैं । सरकारी घोषणा के अनुसार नियमित विद्युत सप्लाई कराई जाए । मुजफ्फरनगर जनपद में सर्वाधिक पेपर मिले, लोहा मिले व एशिया की सबसे बड़ी गुड मंडी है । उन्होंने ज्ञापित किया कि पूरे प्रदेश की मंडी समिति व मुजफ्फरनगर की मंडी समिति 2017 से ही त1 अपलोड नहीं कर रही है । विदित हो की दुकानों व गोदामो के किराए पर मंडी समिति जीएसटी वसूल करती है जिसे अपनी सुविधा के लिए इ2ब मदों में दर्शा देती है । हमारे अधिकतर व्यापारी मेट्रोलॉजिकल एक्ट के कारण पेटी में गुड़ शक्कर की भर्ती 27 किलोग्राम करते हैं । उन्हें इस खाली पेटी पर 18: व अन्य चीज़ो यथा चीनी, तिलहन आदि पर 5: जीएसटी देना होता है । यदि मंडी समिति मुजफ्फरनगर जीएसटी को भी इ2इ मद में प्रदर्शित करें तो हमारे जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों को दुकानों व गोदामो के किराए पर दिए गए जीएसटी का लाभ नियम अनुसार आईटीसी की मद में अनुमान्य हो सकेगा । उन्होंने आग्रह किया कि क्लीयरिंग के चेक का व्यापारियों को उसी दिन धन मिले । सरकार ने घोषणा तो की लेकिन लागू नहीं हुई । आज क्लीयरिंग तीसरे दिन मिलती है । हमारे जनपद में पीएनबी लीड बैंक है जब वह सब का नेता बन बैठा है तो आप उसे आदेशित कर सकते हैं कि वह उसी दिन क्लीयरिंग दे । कैश हैंडलिंग चार्जेस वह बैंक काटता है जबकि अन्य बैंक नहीं । आयकर की तरह जीएसटी में भी रिवाइज्ड रिटर्न की सुविधा प्रदान की जाए । मावा को जीएसटी उत्पाद मानकर जीएसटी टैक्स न लिया जाए । व्यापार मंडल एक देश एक चुनाव के संबंध में प्रत्येक जनपद में मंथन कार्यक्रम आयोजित करना चाहता है जिसके लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव सदन के सम्मुख इस आशा के साथ प्रस्तुत किया गया कि सभी लोगों ने इसको ध्वनि मत से पारित किया और कहा कि भविष्य में इसके लिए कार्य योजना बनाएंगे और इसके लिए किसी एक वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए अथवा और किसी पदाधिकारी की एक समिति बना दी जाएगी जो पूरे उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जनपद में इस मंथन कार्यक्रम के लिए तैयारी करें और हर जनपद में यह कार्यक्रम आयोजित कराये । व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश से मंडी समिति की विसंगतियों को दूर करने का प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया और आग्रह किया कि मंडी समिति की दरो में बहुत विसंगतियां है । अनेक स्थान पर मंडी समिति की दर कुछ कम है तो उत्तर प्रदेश में क्योंकि व्यापार इस समय बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है इसलिए यहां भी दर को या तो बिल्कुल समाप्त किया जाए अथवा 0. 5: से मंडी की दर आरोपित की जाए । प्रदेश महामंत्री दिलीप सेठ जी ने बताया कि वर्तमान समय में रिटेल व्यापार में ऑनलाइन विदेशी कंपनियों का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

लगातार तीसरे दिन समाजसेवी भूरा की टीम ने पीड़ितों को बांटा भोजन

मथुरा। भाकियू नेता समाज सेवी भूरा पहलवान ने गुरुवार को अपनी सिहोरा की टीम के साथ लगातार तीसरे दिन लक्ष्मी नगर स्थित तैयापुर, ईसापुर, डेंगरा, रसखान नगरी, नगला चिंरजीव,जमुना पुल एवं श्री कुंज के बाद कोयला अलीपुर,श्री कुंज,कांसीराम,सपेरा नगला,जाटव बस्ती,जमुना सिटी,गंगा सिटी में बाढ़ पीड़ितों तक पानी में घुसकर घर – घर खाद्य सामग्री बांटी। भाकियू नेता भूरा पहलवान ने बताया कि उन्होंने ग्राम पंचायत सिहोरा और आस पास के क्षेत्र में बाढ़ पीड़ितों की मदद करने की अपील की थी जिसमें ग्राम पंचायत सिहोरा के लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । किसान नेता जे एस जाट ने कहा कि राजनेताओं को फोटो खिंचाने के बजाय जमीनी स्तर पर बाढ़ पीड़ित गरीबों की मदद करनी चाहिए, ऐसी परिस्थिति में मथुरा में दो नेता आपस में झगड़ रहे हैं ये दुर्भाग्य पूर्ण हैं ।संचारी रोगों से बचने के लिए जिला प्रशासन को दवाई का इंतजाम बाढ़ क्षेत्र में आवश्यक रूप से करना चाहिए। किसान नेता प्रेम पाल भरंगर ने कहा कि आगे भी अनवरत रूप से बाढ़ पीड़ितों की मदद जारी रहेगी। भूरा पहलवान ने मीडिया के माध्यम से सामाजिक संस्थान और क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी को जिला प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बाढ़ पीड़ितों की मदद करनी चाहिए तथा उत्तर प्रदेश सरकार से भी बाढ़ ग्रस्त किसानों को उचित मुआवजा राशि देने की अपील की। इस दौरान भूरा पहलवान, जे एस जाट, प्रेमपाल भरंगर,वीरपाल,भीमा चौधरी,मुनिया, गिरीश पंडित, दयाल सिंह, देव चौधरी, अशोक,रामवीर यादव,मुकेश,हरीश, भगवान स्वरूप,लेखराज,पोहप सिंह, जीतू जोशी एवं ग्राम पंचायत सिहोरा के सभी लोग मदद करने में जुटे रहे।

उसे कहें गुलतेवड़ी

(कुण्डलिया)

संजा आते ही सहज,आती जिसकी याद।
उसे कहें गुलतेवड़ी, गुल है जो नौशाद।
गुल है जो नौशाद, हरे वह मन की पीड़ा।
मौसम के अनुरूप, हमेंशा करता क्रीड़ा।
सुन लो कहें प्रदीप, पर्व की समझो गरिमा।
लोकपर्व की बात, करे जब प्यारी संजा।।

पितृपक्ष का पर्व है, संजा जिसका नाम।
बात प्रकृति की यह करे, करे प्रकृति का काम।
करे प्रकृति का काम, बताती गुलमेहंदी।
सोलह दिन नवचित्र, कथा जो नयी बताती।
सुन लो कहें प्रदीप, देखकर फूल– भव्यता।
निर्मल सुन्दर पर्व, दिखा है पितृपक्ष का।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

डाक्टर रामकुमार वर्मा की कविता विषयक संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराजसडॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट, प्रयागराज एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग, के सहयोग से श्डॉ. रामकुमार वर्मा की कविताश विषय पर एक संगोष्ठी आज प्रो. धीरेंद्र वर्मा सभागार , हिंदी विभाग में संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर राम किशोर शर्मा ने कहा कि डॉ. रामकुमार वर्मा का साहित्य सागर की तरह है । उनकी कविताओं मैं शोध की अनेक संभावनाएं हैं। डॉ. रामकुमार वर्मा युग मानव थे , लंबे समय तक उन्होंने काव्य साधना की। उन्होंने सांस्कृतिक चेतना का संवर्धन अपनी कविताओं के माध्यम से किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. रामजी तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई ने वक्तव्य में कहा कि डॉ. रामकुमार वर्मा का इंद्रधनुषी व्यक्तित्व था जो इतिहासकार,

समीक्षक, नाट्यकार,अभिनेता, एकांकी के जन्मदाता, कवि, आलोचक सभी कुछ थे। समस्त प्रकृति प्रदत्त रंग उनमें मौजूद हैं।

विद्यार्थी जीवन में रामकुमार जी की पहली कविता 17 वर्ष की उम्र में पुरस्कृत हुई। कविता उनके लेखन की केंद्रीय धुरी है ।प्रो. रामजी तिवारी ने उनके समस्त महाकाव्यों एवं लघु काव्यों पर प्रकाश डाला ।उनका लिखा एकलव्य हिंदी का आदर्श महाकाव्य माना गया है। उनका मानना था की कविता पवित्र अनुभूति है। उनकी कविताओं में उनके व्यक्तित्व की झलक मिलती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा डॉ. रामकुमार वर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद अतिथियों का मंच पर पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया ।उसके बाद हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर लालसा यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रोफेसर रामकुमार वर्मा ट्रस्ट, प्रयागराज की अध्यक्ष डॉ. राजलक्ष्मी वर्मा ने डॉ रामकुमार वर्मा ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी दी ।उन्होंने कहा कि ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष जरूरतमंद छात्रों को उनकी पाठ्य पुस्तकें एवं छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं।

इस वर्ष 15 सितंबर को डॉ .रामकुमार वर्मा का 125 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में ट्रस्ट द्वारा इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में एम. ए. की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री आस्था त्रिपाठी को मुख्य अतिथि द्वारा स्वर्ण पदक, प्रमाण पत्र एवं कुछ पुस्तकें प्रदान की गयीं। हर वर्ष यह पुरस्कार हिन्दी विभाग में सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इसी तरह दिया जायेगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद श्रीवास्तव ने और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शान्ति चौधरी ने किया।

इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्रो. सूर्यनारायण, प्रो. प्रणय कृष्ण, प्रो. भूरेलाल, प्रो. चंदा देवी, प्रो. संतोष भदौरिया, प्रो. सुनील विक्रम सिंह, डॉ. विनम्र सेन, डॉ. ब्रह्मदेव, डॉ भरत, डॉ ओंकार नाथ द्विवेदी, डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ. कल्पना वर्मा सहित अनेकों विद्यार्थी एवं शोध छात्र– छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्पादकीय.....

बेहाल नेपाल

नेपाल में सोशल मीडिया पर बैन लगाने के बाद उग्र हुआ आंदोलन आखिरकार संवैधानिक संकट में बदल गया और सरकार गिरने का कारण बना। यहां तक कि मंत्रियों के बाद प्रधानमंत्री के.पी. ओली तक को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा। उग्र युवाओं ने संसद, सुप्रीम कोर्ट, मंत्रियों के आवास व कुछ मीडिया हाउस को भी निशाना बनाया। भले ही तात्कालिक रूप से सोशल मीडिया पर बैन को हिंसा की वजह बताया जा रहा हो, लेकिन यह प्रतिक्रिया तात्कालिक नहीं थी। युवाओं की दशकों की हताशा और राजनीतिक कदाचार, काहिली व निरंकुशता के चलते गुस्सा नेपाल की सड़कों पर लावा बनकर फूटा है। नेपाल सरकार की सख्ती से आंदोलनकारियों के दमन ने आग में घी का काम किया। नेपाल की राजनीति में अवसरवाद व राजनीतिक अस्थिरता ने भी सरकारों के प्रति युवाओं के आक्रोश को बढ़ाया है। विडंबना देखिए कि 17 बरसों में यहां 14 सरकारें बन चुकी हैं। बहरहाल इस हिंसक प्रतिकार में 19 से अधिक युवाओं को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। दरअसल, शुरुआत में सोशल मीडिया साइटों पर एक विवादास्पद प्रतिबंध ने युवा नेतृत्व वाले जेन–जेड समूह के गुस्से को भड़का दिया। यह समूह सत्ता के शीर्ष पदों पर कथित भ्रष्टाचार और उनकी संतानों के विलासी जीवन के खिलाफ अभियान चला रहा था। इस युवा ब्रिगेड ने लोकप्रिय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके दावा किया कि मंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की संतानों की फिजूलखर्ची भरी जीवनशैली अवैध धन–दौलत की बदौलत है। इस पोल–खोल अभियान से घबरायी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का असफल प्रयास किया। सरकार का यह दांव उस पर ही उलटा पड़ा और सरकार की ही विदाई हो गई। हालांकि, युवाओं का आक्रोश देखते हुए सरकार ने प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वैसे इस आंदोलन के दौरान जिस तरह हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ हुई, वह दुर्भाग्यपूर्ण ही कही जाएगी। युवाओं की हिंसक भीड़ ने मंगलवार को संसद, सर्वोच्च न्यायालय, राजनीतिक दलों के कार्यालयों और मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया। दरअसल, आंदोलनकारी शासन व्यवस्था में आमूल–चूल परिवर्तन और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते रहे हैं। उनकी मांग रही कि सोमवार को पुलिस गोलाबारी में हुई मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा दी जाए। अराजकता और अव्यवस्था के बीच, काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के मेयर, बालेन शाह, एक प्रभावशाली हितधारक के रूप में उभरे हैं। इस पैंतीस वर्षीय पूर्व रैपर ने भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ आंदोलन का समर्थन करके जेन–जेड का विश्वास जीता है। उन्होंने संसद भंग करने की मांग की है। जिसके बाद सैन्य अधिकारियों और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत हुई। निस्संदेह, मौजूदा वक्त में सेना की बड़ी भूमिका होने के बाद अब उसके व सुरक्षा एजेंसियों के लिये तात्कालिक चुनौती अस्थिर स्थिति पर नियंत्रण और सामान्य स्थिति को बहाल करने की होगी। आने वाले दिनों में व्यवस्थागत सुधारों के रोडमैप पर चर्चा के साथ बातचीत के जरिये संकट का समाधान करना प्राथमिकता होनी चाहिए। दरअसल, ओली और उनके पूर्ववर्तियों की नीतियों की विफलता ने युवाओं में निराशा व मोहभंग को बढ़ावा दिया है। वहीं इस उथल–पुथल के मूल में नेपाली अर्थव्यवस्था का संकट भी है, जो पर्यटन और प्रवासी नागरिकों द्वारा भेजी जाने वाली रकम पर निर्भर रही है। विडंबना यह है कि इन दोनों स्रोतों में पिछले वर्षों में कमी आई है। बेरोजगारी दर का बीस फीसदी के आसपास होना युवाओं के आक्रोश को तार्किक बनाता है। दरअसल, सरकार युवाओं की उम्मीदों की कसौटी पर खरा उतरने में नाकाम ही रही है। आये दिन नेताओं द्वारा किए जाने वाले वायदों से खिन्न युवा धरातल पर बदलाव देखना चाहते हैं। बहरहाल, मौजूदा उथल–पुथल ने नेपाल को एक नई शुरुआत करने का अवसर जरूर दिया है। वहीं भारत के लिये भी यह सचेतक घटनाक्रम है कि उसके पड़ोस में श्रीलंका, बांग्लादेश के बाद नेपाल में जनाक्रोश में विदेशी जमीन से संचालित सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। युवाओं की आकांक्षाओं और रोजगार की चुनौती को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, सोशल मीडिया ने युवाओं की आकांक्षाओं को सातवें आसमान पर पहुंचाया है और हकीकत में हमारा धरातल खासा खुरदरा है।

सामाजिक विषमताएं बनाम देश का आर्थिक विकास

संजीव ठाकुर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक,आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में विषमताओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंस देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं,जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए–नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग–अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 75 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। संविधान में सदैव सकारात्मक वर्ग विभेद एवं विकास की अवधारणा को प्रमुखता से शामिल किया गया था और पंचवर्षीय योजनाओं में भी विकास को वर्ग विभेद से अलग रखकर विकास की अवधारणा को बलवती बनाया गया है। सामाजिक आर्थिक तथा धार्मिक विविधता वाले समाज को विवादों से परे रख आर्थिक विकास की परिकल्पना एक कठिन और दुष्कर अभियान जरूर है पर असंभव नहीं है। और इसी की परिकल्पना को लेकर आजादी के पश्चात से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रादुर्भाव सरकार ने समय–समय पर लागू किया है। विकास की अवधारणा में राष्ट्र की मुख्य धारा में समाज के पिछड़े वर्ग को शामिल कर उन्हें सम्मुख लाना होगा। यदि देश के पिछड़ा वर्ग और गरीब तबका विकास की मुख्यधारा से जुड़ता है तो गरीबी, भुखमरी, नक्सलवाद जैसे संकट अस्तित्व हीन हो जाएंगे और ऐसी समस्या धीरे धीरे खत्म होती जाएगी। आवश्यकता यह है कि हमें राष्ट्रवाद को सर्वोपरि मानकर इस पर अमल करना होगा। फिर चाहे वह सांस्कृतिक राष्ट्रवाद हो या समावेशी राष्ट्रवाद हो। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत में आजादी के 75 वर्ष बाद भी ब्रिटिश हुकूमत की तरह गरीबी, भूखमरी, बेरोजगारी, नक्सलवाद, आतंकवाद, सांप्रदायिकता, भाषावाद एवं क्षेत्रीय विघटनकारी प्रवृत्तियां सर उठाये घूम रही हैं, हम इन पर अभी तक प्रभावी नियंत्रण नहीं लगा पाए हैं। हमें इन सब विसंगतियों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय नागरिकता एवं भारत राष्ट्र की विकास की अवधारणा को राष्ट्रवाद से जोड़कर आर्थिक विकास को एक नया आयाम देना होगा,तब जाकर भारत वैश्विक स्तर पर आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बन सकेगा।

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे–सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े–बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन–जीवन अस्त–व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान–माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह

प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था–"प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।" यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर–मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब–ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली–बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप–बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत–खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार–बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया।

लोकतंत्र और भुट्टा

लोकतंत्र जी नहीं है भुट्टा, भून–भून कर खाओ न,
इक–दूजे को दे कर गाली, नींबू–नमक लगाओ न।

अंगारों पर दाने जैसे, फूल–फूल क्यों चटक रहे,
नैतिकता को बेशर्मी के, पत्थर पर क्यों पटक रहे,
जनता को जनता की खातिर, जनता से लड़वाओ न,
लोकतंत्र जी नहीं है भुट्टा, भून–भून कर खाओ न।

कम हैं राधा अगर नहीं तो, कम हैं कहां कन्हैया भी,
कम तो लगती नहीं जरा भी, राजनीति में मइया भी,
कुर्सी की माया पर कुछ तो, उद्धव से बुलवाओ न,
लोकतंत्र जी नहीं है भुट्टा, भून–भून कर खाओ न।

ऊंचे से ऊंचा उड़ने में, लगा हुआ जब भारत है,
अंतरिक्ष में जाने की भी, हासिल उसे महारत है,
फिर से उसे खींच कर पीछे, साईकिल चलवाओ न,
लोकतंत्र जी नहीं है भुट्टा, भून–भून कर खाओ न।

सत्ता पर पुश्तैनी होता, किसका है अधिकार यहां,
जनता चाहे जिसे चुने वह होता चौकीदार यहां,
फ्रांस और नेपाल स्वहित में भारत को बनवाओ न,
लोकतंत्र जी नहीं है भुट्टा भून–भून कर खाओ न।

शरत् चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
सुल्तान पुर भावा, गंगागंज,
प्रयागराज।

नेपाल में फिर राजनैतिक उथल–पुथल

भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के सरकार के फरमान के बाद युवाओं ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन शुरु किया, जिसने हिंसक रूप ले लिया और एक ही दिन में कम से कम 20 नौजवानों के मारे जाने की खबर है। कुछ समय पहले बांग्लादेश और श्रीलंका इन दो पड़ोसी देशों में आंदोलन हुए थे, जिसमें अराजक भीड़ ने राष्ट्रपति निवास को निशाना बनाकर तोड़–फोड़, लूटमार मचाई थी, अब वैसे ही दृश्य नेपाल से सामने आ रहे हैं। राजधानी काठमांडू समेत कई इलाकों में आगजनी, तोड़फोड़ और पथराव की घटनाएं हुई हैं। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के निजी आवास पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा कर तोड़फोड़ की और आग लगा दी। इसके अलावा प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के नेता रघुवीर महासेठ और माओवादी अध्यक्ष प्रचंड के घरों पर भी हमला हुआ। गृहमंत्री रमेश लेखक, कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी, स्वास्थ्य मंत्री समेत पांच मंत्री इस्तीफा दे चुके हैं। नेपाली सेना के प्रमुख जनरल अशोक राज सिग्देल ने प्रधानमंत्री के पी ओली को सत्ता छोड़ने की सलाह दी थी, जिसके बाद मंगलवार दोपहर श्री ओली ने इस्तीफा दे दिया। वैसे इससे पहले उनके इलाज के लिए दुबई जाने की खबर थी। प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति ने भी अपना पद छोड़ दिया है। गौरतलब है कि केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) नेपाली कांग्रेस के समर्थन से सत्ता में है, लेकिन अब नेपाली कांग्रेस की तरफ से भी सत्ता से अलग होने या अपनी सरकार बनाने का दावा करने के संकेत नहीं मिले हैं। इस बीच काठमांडू के मेयर बालेन शाह को सोशल मीडिया पर सत्ता संभालने के लिए कहा जा रहा है, जिनकी लोकप्रियता युवाओं के बीच तो है, लेकिन क्या नेपाल जैसे चुनौतियों से भरे देश को संभालने की क्षमता क्या उनमें होगी, यह बड़ा सवाल है। गौरतलब है कि 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से नेपाल लोकतंत्र को सुचारू करने के लिए जूझ रहा है। राजनैतिक अस्थिरता, मतलब के गठजोड़, सत्ता की चाहत यह सब नेपाल में लोकतंत्र को ठीक से जड़ पकड़ने नहीं दे रहे हैं। जिन लोगों के हाथों में भी सत्ता रही है, वे राजशाही का विरोध तो कर रहे हैं, लेकिन अपने नेतृत्व को भरोसेमंद नहीं बना पा रहे हैं। कमजोर अर्थव्यवस्था, महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार इन सबसे जनता त्रस्त होती जा रही है। खासकर आज की पीढ़ी जिसे जेन–जी कहा जाता है, उसने राजशाही के दुष्प्रभाव नहीं देखे, लेकिन जिस लोकतांत्रिक सरकार को वह देख रही है, वो उसकी उम्मीदों पर पूरी नहीं उतरी है। इसलिए इस समय नेपाल में भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं का गुस्सा सबसे अधिक फूटा है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध पर नाराजगी तो केवल आवरण है, उसके भीतर आम युवा के गुस्से का लावा उबल रहा है। इसलिए सरकार ने प्रतिबंध वापस ले लिए, फिर भी आंदोलन शांत नहीं हो रहा है। सोमवार से सोशल मीडिया पर हैशटैग नेपोकिड ट्रेंड में है। इस हैशगैट के साथ नेपाल के नौजवान अपने नेताओं के बच्चों की लग्जरी कारें, ब्रैंडेड कपड़े, महंगी घड़ियां और विदेशी दौरे के वीडियो और फोटो वायरल कर रहे हैं। इन नौजवान का संदेश है कि आम आदमी जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहा है और नेताओं के बच्चे हर सुख–सुविधा भोग रहे हैं। सोमवार को जब नौजवान संसद परिसर तक में पहुँच गए थे, तो इनका नारा था– हमारे टैक्स और तुम्हारी रईसी। इस तरह के नारों से जाहिर है कि आज का युवा, जिसके पास सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया की खबरें पहुंचती हैं, वह अब सत्ता की मनमानी या दमन को अपनी किस्मत मानकर चुपचाप सहता नहीं है, बल्कि उसके खिलाफ आवाज उठाता है। इस तरह के लगभग नेतृत्व विहीन आंदोलनों का भविष्य क्या होता है, इनमें किस तरह की अराजकता फैलती है, राष्ट्र की सुरक्षा पर सवाल खड़े होते हैं, ये सारी बातें चिंता की तो हैं, लेकिन इतिहास गवाह है कि इन चिंताओं की आड़ में युवा पीढ़ी के रोष को खारिज किया जाए तो इसके परिणाम और घातक हो सकते हैं। फिलहाल नेपाल का राजनैतिक भविष्य एक बार फिर डांवडोल दिख रहा है। बेशक प्रत्यक्ष तौर पर सोशल मीडिया प्रतिबंध और अप्रत्यक्ष तौर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन खड़ा हुआ और इसमें युवा ही आगे रहे, लेकिन इसके पीछे क्या वैश्विक ताकतों का भी हाथ है, इसका विश्लेषण भी होना चाहिए। नेपाल के साथ चीन जल्द ही 10 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास करने जा रहा है। भारत की सीमा से लगे नेपाल में चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश तीनों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों की निगाहें बनी रहती हैं, क्योंकि अन्य सीमाओं की अपेक्षा नेपाली सीमा का इस्तेमाल इनके लिए आसान रहता है। नेपाल में एकदम से जो आंदोलन के जरिए हिंसा भड़की है और सरकार अस्थिर हुई है, उसकी टाइमिंग पर भी सवाल उठते हैं, क्योंकि इस समय बिहार में चुनाव की हलचल है। सीमांत प्रदेश होने के कारण नेपाल की घटनाओं का असर बिहार पर पड़ना स्वाभाविक है। इस बात को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है कि कहीं नेपाल के हालात का इस्तेमाल बिहार चुनाव को प्रभावित करने के लिए न किया जाए। भारतीय भोजन वैसे नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले की भारत के मीडिया में काफी आलोचना हुई। नेपाल को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी का पाठ कई नामचीन एंकरों ने पढ़ा दिया, लेकिन मणिपुर, जम्मू–कश्मीर जैसे राज्यों में न जाने कितने बार, कितने–कितने दिनों के लिए इंटरनेट काटा गया, तब यहां के लोगों के अधिकार मीडिया को याद नहीं आए। खैर, फिलहाल नेपाल पर अतिरिक्त सावधानी से काम लेने की जरूरत है। श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अब नेपाल भारत से लगे तमाम देशों में जिस राजनैतिक अस्थिरता या सैन्य तंत्र के हावी होने का सिलसिला चल रहा है, वो याद दिलाता है कि आजाद होते साथ जो मजबूत लोकतंत्र देश को मिला, उसकी बदौलत हम कितने चौन से रह रहे हैं।

प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' है 25 सितंबर को ग्लोबल प्रीमियर के लिए तैयार

> प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो है, जिसमें पहली बार करिश्माई काजोल और बेहद विटी ट्विंकल खन्ना को-होस्ट के रूप में एक साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, शो के पहले सीजन में दर्शकों को बेहद शानदार और ग्लैमरस गेस्ट लिस्ट भी देखने को मिलेगी, जो इसे और भी खास बनाएगी।

प्राइम वीडियो, जिसे इंडिया का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन माना जाता है, ने अपने सबसे ज्यादा इंतेजार किए जाने वाले टॉक शो "ओप्पो प्रेजेंट्स टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल" का ऐलान कर दिया है। यह शो कोहलर और कल्याण ज्वैलर्स द्वारा को–प्रेजेंट किया जा रहा है और इसका ग्लोबल प्रीमियर 25 सितंबर को होगा। इस टॉक शो का हर गुरुवार एक नया एपिसोड रिलीज किया जाएगा। बता दें कि यह प्राइम वीडियो का नया अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो है, जिसमें पहली बार करिश्माई काजोल और बेहद विटी ट्विंकल खन्ना को–होस्ट के रूप में एक साथ नजर आएंगी। इसके अलावा, शो के पहले सीजन में दर्शकों को बेहद शानदार और ग्लैमरस गेस्ट लिस्ट भी देखने को मिलेगी, जो इसे और भी खास बनाएगी। काजोल की एनर्जेटिक पर्सनैलिटी और ट्विंकल खन्ना के ट्रेडमार्क सेंस ऑफ ह्यूमर के साथ, यह टॉक शो जिसे बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है, वो दर्शकों को जाने माने कुछ सबसे बड़ी और नामी हस्तियों के साथ मनोरंजन का अनलिमिटेड डोज, बिना फिल्टर किए हुए पलों का मजा, ढेर सारी हंसी और सरप्राइज देने वाला है। प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, निखिल माधोक का कहना है, "टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल सिर्फ एक आम सेलिब्रिटी चौटर नहीं है, बल्कि यह स्टार–स्टडेड गेस्ट लाइनअप के साथ ताजा, सीधी और एंटरटेनिंग बातचीत का मेल होने वाला है। यह ऑडियंस को ढेर सारी हाजिर–जवाबी, दिल से किए गए खुलासे और थोड़ी–सी शरारत से भरे पल भी देगा।" वो आगे कहते हैं, हमारा शो दो जबरदस्त होस्ट के इर्द–गिर्द है, जिनकी हाजिर–जवाबी और बेबाकी हर बातचीत में झलकती है, जो ऑडियंस को पूरी तरह से अपने साथ बांधे रखने वाली हैं। बानीजय एशिया और एंडिमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने कहा, ष्टू मच शो में काजोल और ट्विंकल सिर्फ होस्ट के रूप में नहीं, बल्कि खास आवाजों, जिज्ञासु विचारों और मजबूत इंस्टिंक्ट्स वाली महिलाओं के रूप में दिखाई देंगी। बिना फिल्टर, मजेदार और पूरी तरह से ईमानदार तरीके से यह शो इस बारे में है कि वे क्या पूछना चाहती हैं, उन्हें किस बात की परवाह है, और वे खुद को कैसे पेश करती हैं। वह आगे कहती हैं, कुछ सेलिब्रिटी इस शो में ऐसी बाते बताएंगे जो हमने पहले कभी नहीं सुना होगा। प्राइम वीडियो में हमें एक ऐसा पार्टनर मिला है, जिसने ऐसे शो को सपोर्ट किया जो सिर्फ सेलिब्रिटी नहीं, बल्कि बातचीत को सेलिब्रेट करता है और यही बात इस फॉर्मेट को इतना नया बनाती है। गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ पीआर एंड कम्युनिकेशंस ने कहा, "ओप्पो का मकसद युवाओं को इंस्पायर करना है कि वो पल को जिएं, अपने पैशन को फॉलो करें और अपनी अनोखी कहानियां खुद बनाएं। प्राइम वीडियो के साथ हमारी ये पार्टनरशिप इसी सोच से मेल खाती है। इस नए टॉक शो का जो वाइब्रेंट और अनफिल्टर्ड फॉर्मेट है और साथ ही इसकी शानदार गेस्ट लिस्ट, यह जरूर उस जेनरेशन को कनेक्ट करेगी जो ऑथेंटिसिटी, क्रिएटिविटी और मायने रखने वाली बातचीत को सबसे ज्यादा महत्व देती है।"रणजीत ओक, मैनेजिंग डायरेक्टर, ज्ञ–ठ साउथ एशिया, कोहलर ने कहा, "कोहलर में हम हमेशा ओरिजिनैलिटी और बोल्ड वॉइसेज को सेलिब्रेट करने में यकीन रखते हैं। प्राइम वीडियो के साथ इस शानदार टॉक शो में पार्टनरशिप करना, जहां काजोल और ट्विंकल जैसी होस्ट होंगी, हमारे इसी सोच को दर्शाता है। हमें गर्व है कि हम ऐसे शो से जुड़े हैं, जो कस्टमर एक्सपीरियंस को अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट और कैंडिड कन्वर्सेशन के साथ और भी ऊंचा ले जाएगा।"

रमेश कल्याणरामन, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, कल्याण ज्वैलर्स ने कहा, कल्याण ज्वैलर्स में, हम उन बातचीत को अहमियत देते हैं जो असली, मजेदार और गर्मजोशी से भरी हों। टू मच विथ काजोल एंड ट्विंकल में ह्यूमर, चार्म और बिना फिल्टर के मजाक का एक अनोखा मेल है, जिसे दर्शक सही मायने में एंजॉय करेंगे। हम प्राइम वीडियो के साथ एक ऐसे शो को पेश करने के लिए खुश हैं जो एंटरटेनिंग होने के साथ–साथ रिफ्रेशिंगली रियल लगता है।

'सन ऑफ सरदार 2' में दरकिनार किए जाने पर सोनाक्षी ने दी सफाई, कहा–आप अपमानित महसूस नहीं कर सकते

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा सन ऑफ सरदार फिल्म में नजर आई थीं, जिसमें उनके किरदार को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, इसके दूसरे भाग सन ऑफ सरदार 2 में मेकर्स ने उन्हें जगह नहीं दी। इसमें सोनाक्षी की जगह एक्ट्रेस मृणाल ठाकर ने मुख्य भूमिका निभाई। वहीं, अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अजय देवगन स्टारर फिल्म के दूसरे भाग में शामिल नहीं होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सोनाक्षी सिन्हा ने हाल ही में मीडिया से सन ऑफ सरदार 2 का हिस्सा नहीं होने पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'जहां तक मैं देख सकती हूं कि सन ऑफ सरदार 2 फिल्म के लिए वे विदेश गए थे। इसलिए वही किरदार कहानी का हिस्सा नहीं हो सकता था। आप केवल इसके लिए अपमानित महसूस नहीं कर सकते। आपको व्यावहारिक होना होगा और प्रत्येक फिल्म को एक अलग प्रोजेक्ट के रूप में लेना होगा।'बता करें फिल्म सन ऑफ सरदार 2 की तो इसमें अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म को विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित किया गया था। यह इसी साल 1 अगस्त को पर्दे पर रिलीज हुई, जिसे दर्शकों को खासा प्यार मिला। सोनाक्षी सिन्हा के काम की बात करें तो सोनाक्षी सिन्हा जल्द ही फिल्म जटाध ारा में नजर आएंगी। इस फिल्म को कुश सिन्हा द्वारा निर्देशित किया गया है।

पीएम मोदी के 75वें बर्थडे से पहले विवेक ओबेरॉय का बड़ा ऐलान, 75 देशों में 7500 केंद्रों पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाएगे एक्टर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश–दुनिया में तगड़ी फैन–फॉलोइंग है। वहीं, बॉलीवुड इंडस्ट्री से भी कई ऐसे सेलेब्स हैं, जो पीएम मोदी और उनके कार्यों के हद से ज्यादा दीवाने हैं। उन्हीं स्टार्स में से एक हैं, एक्टर विवेक ओबेरॉय, जिन्होंने पीएम मोदी के 75 बर्थडे को खास बनाने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पीएम मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर एक्टर विवेक ओबेरॉय गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन करने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से बढ़–चढ़कर रक्तदान करने का आग्रह भी किया है। इस कार्यक्रम के बारे में आईएएनएस से बात करते हुए विवेक ओबेरॉय ने कहा, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद पिछले 11 साल से ये मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव चलाते आ रहे हैं। 2014 में हमने इसकी शुरुआत की थी। मैं इसका एंबेसडर बना और पहला रक्तदान मैंने ही किया था। उसी साल हमने 1,00,212 यूनिट ब्लड डोनेशन का रिकॉर्ड बनाया था। आगे उन्होने कहा–इस बार का रक्तदान शिविर बहुत ही खास होने वाला है। पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर हम अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शिविर लगाएंगे। उनका 75वां जन्मदिन है, तो 75000 फर्स्ट डोनर्स होंगे। 75 देशों में 7500 केंद्रों पर रक्तदान करने के लिए हम कैंप लगाएंगे। हम सबके लिए यह बहुत बड़ा अवसर होगा। इस बार हमने 3 लाख से अधि ाक यूनिट ब्लड एकत्र करने का टारगेट रखा है।

रक्तदान के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए विवेक ने कहा, ष्पहले मैं सुईं के नाम से ही डरता था, लेकिन जैसे मुझे रक्तदान की अहमियत के बारे में पता चला तो मैंने ब्लड डोनेशन करना शुरू किया। अब हर साल मैं रक्तदान करता हूं। मैं रक्तदान करने के बाद सुपरमैन जैसे फील करता हूं। विवेक ओबरॉय ने और कहा, ष्पीएम मोदी का जन्मदिन आ रहा है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देना चाहूंगा। वह देश सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। समाज के हर तबके के लिए उन्होंने उल्लेखनीय काम किया, ये हमें बहुत प्रेरणा देता है। तो उनके जन्मदिन पर हमें कुछ ऐसा काम करने का प्रण लेना चाहिए जो देशहित में हो। बता दें, विवेक ओबरॉय साल 2019 में आई फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी में पीएम का किरदार निभा चुके हैं। इस फिल्म का निर्देशन ओमंग कुमार ने किया था।

तलाक के 2 साल बाद एक्स के प्यार में चारु असोपा! थाईलैंड में बेटी और एक्स पति संग मना रही हैं वेकेशन

एक्ट्रेस चारु असोपा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में रहती हैं।चारु असोपा का एक्स पति राजीव संग प्यार, शादी और फिर तलाक अक्सर चर्चा में रहता है। कभी दोनों एक–दूसरे पर इल्जाम लगाते रहते हैं तो कभी एक–साथ वेकेशन एंजॉय करते हैं। हाल ही में चारु ने एक्स पति राजीव संग गणेश चुतुर्थी सेलिब्रेट की थी। वहीं अब एक्ट्रेस बेटी जियाना और एक्स पति राजीव के साथ थाईलैंड वेकेशन पर हैं। उन्होंने वहां से कई सारी तस्वीरें शेयर की हैं। इस फोटो में वो राजीव के साथ बैठ पोज देती दिखीं। राजीव और चारु साथ में खुश नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो चारु ब्लू कलर की हाई स्लिट ड्रेस कैरी की। इसी के साथ हाई हील्स भी पहने। चारु ने अपने लुक को हाई बन और लाइट मेकअप के साथ कंप्लीट किया।चारु का गॉर्जियस लुक सोशल मीडिया पर वायरल है। एक तस्वीर में चारु ब्राउन मिनी स्कर्ट में स्टाइलिश लग रही हैं। उन्होंने फोटोज शेयर कर लिखा–बैंकॉक से कुछ फन से भरी पिक्चर्स। बता दें कि चारु और राजीव ने 2019 में शादी की थी और 2023 में अलग हो गए थे। दोनों एक्सर एक–दूसरे पर आरोप भी लगाते रहते हैं लेकिन अब तलाक के बाद दोनों के साथ देखकर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है।

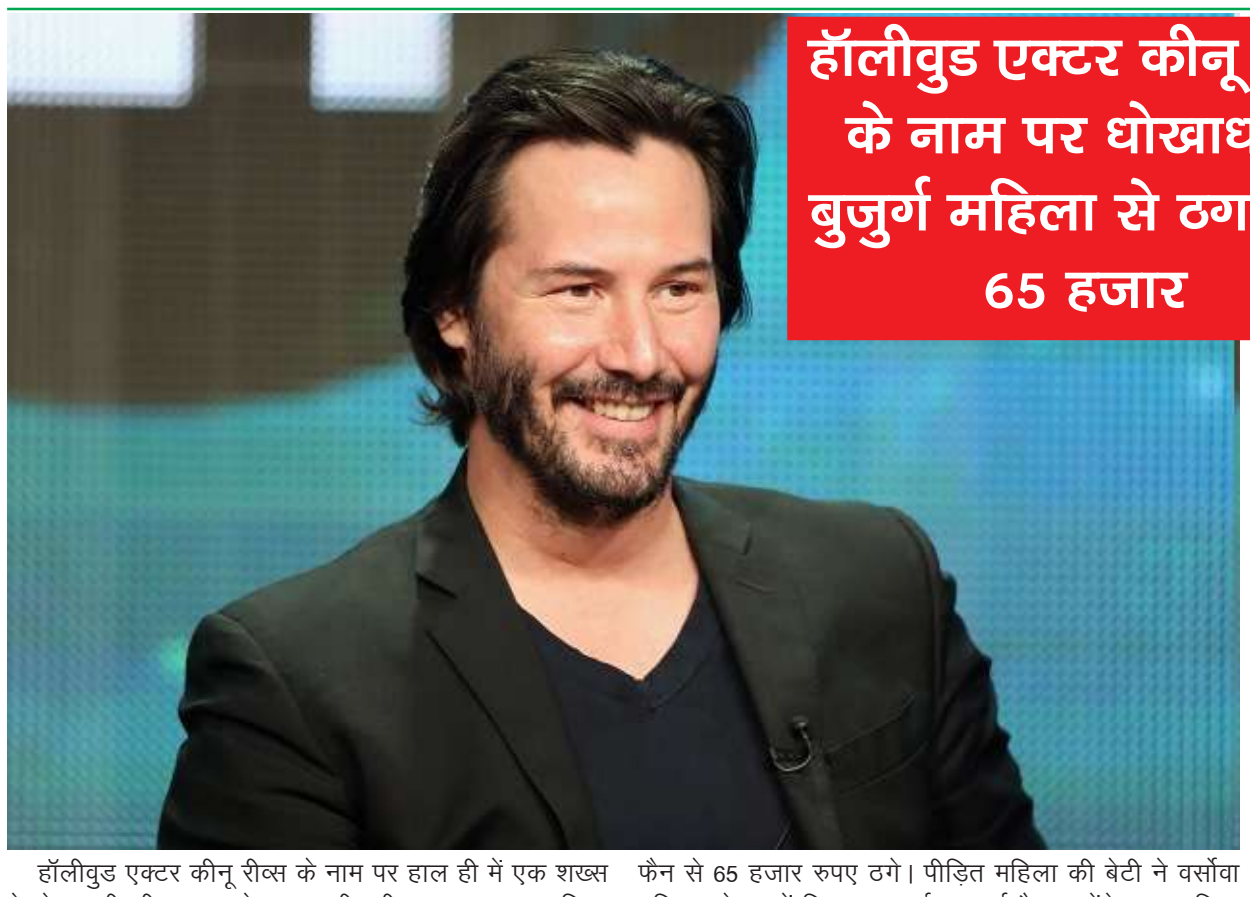

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर धोखाधड़ी, बुजुर्ग महिला से ठग लिए 65 हजार

हॉलीवुड एक्टर कीनू रीव्स के नाम पर हाल ही में एक शख्स ने धोखाधड़ी की। शख्स ने एक्टर कीनू रीव्स बनकर एक महिला फैन से 65 हजार रुपए ठगे। पीड़ित महिला की बेटी ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। उन्होंने बताया कि ध ाोखेबाज ने उनकी मां को झांसे में ले लिया था। बुजुर्ग महिला वर्सोवा स्थित अपने घर में अकेली रहती है और उन्हें यह विश्वास दिलाकर धोखा दिया कि वह कीनू रीव्स से बात कर रही है। सोमवार को वर्सोवा पुलिस ने मामले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ कथित तौर पर कीनू रीव्स के नाम पर महिला को ठगने के आरोप में एफआईआर दर्ज कर ली। एक धोखेबाज ने सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया और खुद को हॉलीवुड एक्टर किनू रीव्स बताया। उसने इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और व्हाट्सएप पर बुजुर्ग महिला कामत से बातचीत शुरू की और बताया कि वह उनसे मिलने मुंबई आने वाला है। महिला का विश्वास जीतक, उसने कहा कि भारत आने पर उसे भारतीय मुद्रा की जरूरत होगी और उसने कामत से अपने आईडीबीआई बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। कामत को यकीन हो गया कि वह असली किनू रीव्स से बात कर रही है इसलिए कामत ने अपने केनरा बैंक अकाउंट से दिए गए आईडीबीआई खाते में 65,000 रुपए ट्रांसफर कर दिए। 30 जून को दोपहर 1रू57 बजे कामत को एक ईमेल मिला जिसे उनकी बेटी ने पढ़ा जिससे उन्हें शक हुआ। पैसे देहरादून स्थित एक बैंक में नाहर नाम के एक व्यक्ति के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। उन्होंने तुरंत अपनी मां से कॉन्टेक्ट किया और पता चला कि वह एक धोखाधड़ी का शिकार हो गई हैं फिर उन्होंने अपनी मां को किसी को भी पैसे ट्रांसफर न करने की सलाह दी। धोखेबाज ने इंस्टाग्राम हैंडल तममअमेऋ1390 और टेलीग्राम आईडी शमंदनऋतममअमे4576 के जरिए कामत से कॉन्टेक्ट किया था।

नेल पॉलिश रिमूवर हो गया है खत्म, तो बिना चिंता किए इन हैक्स को अपनाकर छुड़ाएं नेल पॉलिश

कई बार होता है कि घर में रखा हुआ नेल पॉलिश रिमूवर यूज करते करते खत्म हो जाता है। लेकिन हम सभी नया नेल पॉलिश रिमूवर लाना भूल जाते हैं। ऐसे में अगर आपको कहीं जाना है आपके पास रिमूवर नहीं है, तो आप इन आसान हैक्स की मदद से आप नेल पॉलिश को छुड़ा सकते हैं।

खासतौर पर महिलाओं को नेल पॉलिश लगाने का काफी शौक होता है। सांजने–सांवरने के लिए नेल पॉलिश एक अहम भूमिका निभाती है। ऑफिस हो, पार्टी, शादी फंक्शन या फिर फेस्टिवल के दौरान हम सभी नेल पॉलिश जरुर लगाते हैं। हाथों को सुंदर बनाने के लिए नेल पॉलिश अच्छी भूमिका निभाती है। ज्यादातर महिलाओं को बार–बार हाथों में नेल पॉलिश लगाने का शौक जरुर होता है। अक्सर होता है कि जब आप घर पर हो और आपके पास जो नेल पॉलिश रिमूवर है वो खत्म हो गया है, तो ऐसे में बड़ा गुस्सा आता है कि कैसे नेल पॉलिश अपने हाथों पर लगाएं। नेल पॉलिश रिमूवर खत्म होने के बाद आप अपने हाथों पर नेल पॉलिश नहीं लगा सकते हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे हैक्स बताने जा रहे है कि जिनकी मदद से आप आसानी से नेल पॉलिश को रिमूव कर सकते हैं।

नेलपॉलिश रिमूवर हैक

जब आप नेलपॉलिश को रिमूव करते हैं, तो आपको रिमूवर की जरुरत पड़ती है। बाजार में कई सारे नेलपेंट रिमूवर मिल जाते हैं। लेकिन कुछ मौके ऐसे आते हैं जब आपको नेलपॉलिश हटानी हो लेकिन आपके पास रिमूवर नहीं होता है। ऐसे में आप ऑर्डर करने की बजाय घर में पड़े इन सामान की मदद से नेलपेंट का आसानी से छुटा सकते हैं।

परफ्यूम या डियो का इस्तेमाल

आपके घर में डियो या परफ्यूम जरुर होगा। तो आप डियो या परफ्यूम को यूज करके नेल पॉलिश को रिमूव कर सकते हैं। नेल पर परफ्यूम या डियो को स्प्रे करें और कॉटन से साफ करें।

हैंड सेनेटाइजर

यदि आपके पास पर्स या घर पर हैंड सेनेटाइजर है, तो आप इसके यूज से नेलपॉलिश को रिमूव कर सकते हैं। इसके लिए आप हल्का सा स्प्रे नेल पर करें और कॉटन से क्लीन कर दें।

हेयरस्प्रे

हेयर स्प्रे में एल्कोहल पाया जाता है। इसकी मदद से आप नेलपॉलिश को आसानी से छुड़ा सकते हैं। बस आपको अपने नेल्स पर स्प्रे करना है और फिर कॉटन से इसको साफ करें।

टॉप कोट नेलपॉलिश

यदि आपके पास कुछ भी नहीं है तो आप टॉप कोट वाली नेलपेंट लगाकर तुरंत कॉटन से छुड़ा सकते हैं। इसके इस्तेमाल से आपकी नेलपॉलिश छूट जाएगी।

विनेगर और लेमन जूस

इसके अलावा आप विनेगर और लेमन जूस का प्रयोग कर सकते हैं। विनेगर और लेमन जूस को मिलाकर उसमे नेल्स को रगड़ने से नेलपॉलिश छूट जाएगी।

अल्कोहल का इस्तेमाल

नेलपॉलिश रिमूव करने के लिए आप अल्कोहल को नेल्स पर रब कर सकते हैं। अल्कोहल कपड़े के धब्बे छुड़ाने में मदद करता है। इसलिए आप कॉटन की मदद से इसे नेलपॉलिश के ऊपर रगड़ के साफ कर सकते हैं।

सिर्फ 2 चीजों से बनाएं यह पीला पानी, तेजी से घटेगा वजन, इम्यूनिटी भी होगी मजबूत!

अगर आप सुबह उठकर खाली पेट सौंफ और जीरे का पानी पीते हैं, तो यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। यह घरेलू नुस्खा न केवल पाचन को दुरुस्त करता है, बल्कि वजन घटाने में भी मदद करता है और शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत यानी इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है। आइए जानते हैं सौंफ और जीरे के पानी के फायदे, और कैसे यह सेहत के लिए रामबाण साबित हो सकता है।

पाचन तंत्र (डाइजेशन) को करता है मजबूत

सौंफ और जीरे का पानी पाचन तंत्र के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है। रोज सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से पेट की कई समस्याएं दूर होती हैं। इसमें मौजूद फाइबर और एंजाइम्स कब्ज, गैस, एसिडिटी, अफारा और अपच जैसी दिक्कतों को दूर करने में सहायक होते हैं। यह पानी पेट में पाचन रसों के स्राव को बढ़ाता है जिससे खाना जल्दी और सही तरीके से पचता है। जिन लोगों को अक्सर पेट भारी लगने की शिकायत होती है, उनके लिए यह पानी किसी दवा से कम नहीं है। इसके नियमित सेवन से पेट हल्का रहता है और भूख भी सही लगती है।

शरीर को करता है डिटॉक्स (शुद्ध करता है)

आजकल की जीवनशैली और खानपान के कारण शरीर में हानिकारक टॉक्सिन्स (विषैले तत्व) जमा हो जाते हैं, जो धीरे–धीरे बीमारियों का कारण बन सकते हैं। ऐसे में सौंफ और जीरे का पानी शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करता है। यह पानी लीवर और किडनी को साफ करने में मदद करता है, जिससे शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से त्वचा भी साफ और ग्लोइंग बनती है, क्योंकि जब शरीर अंदर से साफ होता है तो उसका असर चेहरे पर भी दिखाई देता है। यह पानी यूरिनेशन को भी बेहतर करता है, जिससे शरीर से गंदगी बाहर निकलती रहती है।

तेजी से वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सौंफ और जीरे का यह पीला पानी आपकी मदद कर सकता है। इसमें मौजूद कंपाउंड्स शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ाते हैं, जिससे कैलोरीज ज्यादा तेजी से बर्न होती हैं। यह पानी भूख को भी कंट्रोल करता है, जिससे आप बार–बार कुछ खाने से बचते हैं। साथ ही यह शरीर में जमा फैट को पिघलाने की प्रक्रिया को तेज करता है, खासतौर पर पेट और कमर की चर्बी को घटाने में सहायक होता है। इसे डाइट और एक्सरसाइज के साथ लिया जाए तो वजन घटाने के नतीजे जल्दी नजर आते हैं। साथ ही यह पानी शरीर को एनर्जी भी देता है, जिससे आप दिनभर एक्टिव रहते हैं।

इम्यूनिटी को करता है मजबूत

सौंफ और जीरे के पानी में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट, एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इसका नियमित सेवन शरीर को वायरल संक्रमण, सर्दी–जुकाम, खांसी, फ्लू जैसी आम बीमारियों से बचाने में मदद करता है। यह पानी शरीर में बैक्टीरिया और फंगस के खिलाफ लड़ने की ताकत बढ़ाता है, जिससे आप मौसम के बदलाव या किसी संक्रमण के समय बीमार नहीं पड़ते। खासतौर पर बारिश और ठंड के मौसम में जब इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है, तब यह पानी एक नैचुरल इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

दिल को रखे स्वस्थ

सौंफ और जीरे का पानी हृदय स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है, जिससे हाई बीपी के मरीजों को राहत मिल सकती है। इसके अलावा यह पानी शरीर में जमा बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को कम करता है और गुड कोलेस्ट्रॉल (भ्क्स्) को बढ़ावा देता है, जिससे दिल की धमनियों में ब्लॉकेज बनने की संभावना कम हो जाती है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा घटता है। इसका नियमित सेवन आपके हृदय को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने में मदद कर सकता है।

कैसे बनाएं सौंफ और जीरे का पानी?

सामग्री

1 चम्मच सौंफ

1 चम्मच जीरा

1/1.5 गिलास पानी

बनाने की विधि

एक पैन में पानी लें और उसमें सौंफ और जीरा डाल दें। इसे धीमी आंच पर 5–10 मिनट तक उबालें। जब पानी थोड़ा पीला हो जाए, तब गैस बंद कर दें। इसे हल्का ठंडा होने पर छान लें और खाली पेट पी लें।ध्यान दें आप इसे रातभर भिगोकर सुबह भी उबालकर पी सकते हैं।

यह जानकारी घरेलू नुस्खों पर आधारित है। किसी भी बीमारी के इलाज के लिए डॉक्टर की सलाह जरूर लें। अगर आप पहले से कोई दवा ले रहे हैं या किसी बीमारी से ग्रस्त हैं, तो यह नुस्खा आजमाने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लें।

पतला होने के लिए क्यों रहना भूखा? सही टाइम पर सही डाइट खाने से ही घट जाएगा मोटापा

स्वस्थ रहने और वजन को कंट्रोल करने के लिए जरूरी है कि हमारा आहार संतुलित हो। डॉक्टरों और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स के अनुसार अगर सही ढंग और सही समय पर संतुलित डाइट ली जाए तो इसके परिणाम इंटरमिटेंट फास्टिंग से भी बेहतर हो सकते हैं। यह डाइट न सिर्फ वजन घटाने में मदद करती है, बल्कि लंबे समय तक बीमारियों से भी बचाव करती है

संतुलित आहार की मुख्य बातें

कैलोरी नियंत्रित होः जरूरत से ज्यादा कैलोरी न लें।शरीर की जरूरत के अनुसार सही मात्रा में खाना खाएं।

फाइबर ज्यादा होः आहार में साबुत अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां और फल शामिल करें। फाइबर पाचन को बेहतर बनाता है और भूख को लंबे समय तक नियंत्रित रखता है।

सब्जियां अधिक, फैट कमः ताजी सब्जियां और सलाद का सेवन बढ़ाएं। तली–भुनी और ज्यादा तेल वाली चीजों से बचें। संतृप्त वसा जैसे मक्खन, घी और क्रीम कम खाएँ।

समय पर भोजन : सुबह का नाश्ता, दोपहर और रात का खाना समय पर लें। बीच–बीच में हेल्दी स्नैक्स (फ्रूट्स, नट्स) ले सकते हैं।

क्या है इंटरमिटेंट फास्टिंग ?

इंटरमिटेंट फास्टिंगः एक डाइटिंग पैटर्न है जिसमें आप दिन के कुछ घंटे उपवास रखते हैं और बाकी समय में खाना खाते हैं। इसमें यह ध्यान रखा जाता है कि कब खाना है और कब नहीं, न कि सिर्फ क्या खाना है। जब आप लंबे समय तक कुछ नहीं खाते, तो शरीर स्टोर की गई चर्बी को ऊर्जा में बदलने लगता है। इससे वजन कम होता है, ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है और मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है।

लो–कैलोरी और हाई फाइबर डाइट के फायदे

वजन नियंत्रित रहता हैः लो–कैलोरी डाइट से शरीर में अतिरिक्त फैट जमा नहीं होता। हाई फाइबर फूड आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे ओवरईटिंग नहीं होती।

पाचन तंत्र मजबूत होता हैः फाइबर से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याएं दूर होती हैं। आंतों की सफाई और डाइजेशन बेहतर होता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल होता हैः हाई फाइबर डाइट धीरे–धीरे शुगर रिलीज करती है, जिससे ब्लड शुगर लेवल स्थिर रहता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह डाइट बहुत फायदेमंद है।

हार्ट हेल्थ बेहतर होती हैः लो–कैलोरी और कम फैट वाला आहार कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है। हाई फाइबर फूड्स धमनियों को साफ रखते हैं और हार्ट अटैक व स्ट्रोक का खतरा कम करते हैं।

एक्टिवनेस बढ़ती हैः टाइम पर खाना खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म संतुलित रहता है।दिनभर थकान कम लगती है और एनर्जी लेवल अच्छा रहता है।

इम्यूनिटी मजबूत होती हैः संतुलित डाइट से विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में मिलते हैं। इससे शरीर बीमारियों से लड़ने में सक्षम होता है।

उम्र से पहले बूढ़ा नहीं दिखतेः हेल्दी और बैलेंस्ड डाइट स्किन को ग्लोइंग रखती है। हाई फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को डिटॉक्स करके एजिंग प्रोसेस को धीमा करते हैं।

सुबह की भागदौड़ में नाश्ते की टेंशन खत्म! 10 मिनट में बनाएं प्रोटीन से भरपूर मल्टीग्रेन चीला

सुबह के नाश्ते के लिए हमेशा टेंशन बनीं रहती है क्या बनाया जाए। सुबह–सुबह भागदौड़ लगी रहती है ब्रेकफास्ट बनाने की, बच्चों को स्कूल छोड़ने की और घर के भी सारे काम होते हैं। ऐसे में कई बार लोग ऑफिस जाते समय नाश्ता नहीं करपाते क्योंकि उनके पास समय की कमी रहती है। कई बार तो लेट न हो जाएं इसलिए भी बना हुआ नाश्ता भी छुट ही जाता है। रास्ते में हम कुछ खाने की चीज ले लेते हैं, लेकिन इससे हमारे सेहत पर काफी नुकसान पड़ता है। अब नाश्त में जल्दी बनने वाला मल्टीग्रेन चीला को बनाएं। झटपट से यह बन जाता है और स्वाद भी इसका लाजवाब होता है इसके साथ ही चीला खाना भी काफी लोगों को पसंद होता है। मल्टीग्रेन चीला खाने बॉडी को कई सारे न्यूट्रिशन मिलते हैं और यह हेल्थ के लिए भी बढ़िया है। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

मल्टीग्रेन चीला बनाने के लिए सामग्री

– 1/2 कप गेंहू का आटा

– 1/4 कप बेसन (चने का आटा)

– 1/4 कप ज्वार या बाजरे का आटा

– प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च बारीक कटी हुई

– 1 चम्मच अदरक–लहसुन का पेस्ट

– नमक स्वादानुसार

– 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर

– 1/2 चम्मच (ऑप्शनल) लाल मिर्च पाउडर

– घोल बनाने के लिए पानी

– चीला सेकने के लिए तेल या घी

मल्टीग्रेन चीला बनाने की विधि

– इसके लिए सभी आटे (गेंहू, बेसन, ज्वार/बाजरा) को एक बड़े बर्तन में मिला लें।

– अब इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां, अदरक–लुहसन का पेस्ट, नमक, हल्दी और लाल मिर्च पाउडर डाल दें।

– इसमें थोड़ा–थोड़ा करके पानी डालें जिससे एक गाढ़ा और चिकना घोल बन जाएं। इसमें कोई गांठ न रहे। घोल न ज्यादा पतला और न अधिक गाढ़ा।

– चीला को सेकन के लिए एक नॉन–स्टिक तवा गर्म करें और इस पर थोड़ा–सा तेल या घी लगाएं।

– अब एक बड़े चम्मच से तावे पर घोल डाले और इसे फैलाएं।

– इसे आप मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने दें।

– टेस्टी और पौष्टिक से भरपूर तैयार है मल्टीग्रेन चीला। इसे आप हरी चटनी या अचार के साथ गर्मा–गरम सर्व करें।

– मल्टीग्रेन चीला खाने से आप पूरे दिन खुद एनर्जिटक महसूस करेंगे।

संक्षिप्त

सेबी बोर्ड की बैठक शुक्रवार को, तुहिन कांत की अध्यक्षता में नियामकीय सुधारों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी के निदेशक मंडल की शुक्रवार को होने वाली अपनी बैठक में कई नियामकीय सुधारों पर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार इन सुधारों में कंपनियों के लिए न्यूनतम आईपीओ आवश्यकताओं में ढील देना और न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता मानदंडों को पूरा करने के लिए समयसीमा को बढ़ाना शामिल है। सेबी के अनुसार, बैठक के एजेंडे में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए अनुपालन को सरल बनाना, कुछ वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) में मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए विनियमन में ढील देना, रेटिंग एजेंसियों की गतिविधियों का दायरा बढ़ाना और आरईआईटी और इनविट को इक्विटी का दर्जा देना शामिल है। इनमें से कई प्रस्ताव पहले ही सार्वजनिक परामर्श के लिए प्रस्तुत किए जा चुके हैं, जो विनियामक परिदृश्य को परिष्कृत करने की दिशा में व्यापक प्रयास का संकेत देते हैं। यह तुहिन कांत पांडे की अध्यक्षता में तीसरी बोर्ड बैठक होगी। उन्होंने 1 मार्च को पदभार ग्रहण किया था। प्रस्ताव के तहत, 50,000 करोड़ रुपये से 1 लाख करोड़ रुपये के बीच बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों के लिए, नया न्यूनतम सार्वजनिक प्रस्ताव (एमपीओ) 1,000 करोड़ रुपये करने की बात कही गई है। यह निर्गम–पश्चात पूंजी का कम से कम 8 प्रतिशत होगा। इसमें न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता (एमपीएस) 25 प्रतिशत होगी। इसे वर्तमान तीन वर्षों के बजाय 5 वर्षों के भीतर हासिल किया जाना होगा। बोर्ड भारतीय प्रतिभूति बाजार में भाग लेने के इच्छुक कम जोखिम वाले विदेशी निवेशकों के लिए एकल खिड़की पहुंच शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे सकता है। इसका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना और निवेश गंतव्य के रूप में देश के आकर्षण को बढ़ाना है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 123 अंक चढ़ा, निफ्टी 25000 के पार

नई दिल्ली। फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 123.58 अंक या 0.15 प्रतिशत चढ़कर 81,548.73 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 217.07 अंक या 0.26 प्रतिशत बढ़कर 81,642.22 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 32.40 अंक या 0.13 प्रतिशत बढ़कर 25,005.50 अंक पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर 88.47 (अनंतिम) के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, इटरनल और सन फार्मा प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं इंफोसिस, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट और हिंदुस्तान यूनिलीवर पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

भारत और अमेरिका व्यापार वार्ता की उम्मीदों से बाजार को मिला बल

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निफ्टी 50 सूचकांक 25,000 की महत्वपूर्ण सीमा से ऊपर बंद हुआ है। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ अनिश्चितता ने मुख्य सूचकांक को शुरुआत में 24,400 तक नीचे खींच लिया। नायर ने कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करने के लिए अमेरिका से मिले सकारात्मक संकेतों ने सूचकांक के एक नए दायरे में पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिसकी बाजार को काफी उम्मीद थी।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार मिले–जुले रुख के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत गिरकर 67.28 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को दिन भर की राहत के बाद विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 115.69 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले दिन 5,004.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला जारी, नए सर्वकालिक निचले स्तर 88.44 पर पहुंचा

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। गुरुवार को भारतीय करेंसी डॉलर के मुकाबले अपने नए सर्वकालिक निचले स्तर 88.44 पर पहुंच गई। बाजार के जानकारों का मानना है कि यह गिरावट एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर अमेरिकी टैरिफ के बढ़ते दबाव के कारण है। रुपये में गिरावट इस बात के संकेत हैं कि पिछले महीने से भारत पर लागू हुए अमेरिकी टैरिफ भारत में निवेशकों के विश्वास पर असर डाल रहे हैं। यही कारण है कि एशियाई समकक्षों के बीच रुपया सबसे कमजोर स्थिति में है। विदेशी निवेशकों ने इस साल अब तक भारतीय ऋण और शेयर बाजारों से 11.7 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की है। पिछले शुक्रवार को रुपया 88.36 के स्तर तक चला गया था। वाशिंगटन के भारी टैरिफ ने भारत के विकास और व्यापार परिदृश्य को नुकसान पहुंचाया है और मुद्रा विनिमय की राह को धुंधला कर दिया है। इस प्रभाव को कम करने के लिए भारत सरकार ने जीएसटी की दरों को बड़े पैमाने पर कम करने का एलान किया है। हालांकि, इस बीच भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए निरंतर बातचीत करने भी विचार कर रहे हैं। फिलहाल, निर्यातकों को ऑर्डर प्रवाह को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, आयातकों को अधिक आक्रामक तरीके से हेजिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे मुद्रा बाजार में मांग–आपूर्ति संतुलन बिगड़ रहा है। रुपये में गिरावट की गति को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने बार–बार हस्तक्षेप किया है।

गुगली...फ्लिपर...मैं भी उनकी गेंद नहीं पढ़ सकता, पाक दिग्गज वसीम अकरम ने की कुलदीप यादव की तारीफ

दुबई। भारत और यूएई के बीच एशिया कप 2025 का पहला मैच खत्म हो चुका है और अब सभी की नजरें रविवार को होने वाले भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले पर टिकी हैं। यह भिड़ंत इसलिए भी खास है क्योंकि यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद आमने–सामने होंगी। राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच यह मुकाबला क्रिकेट से परे भावनाओं को भी छूने वाला है। बुधवार को एशिया कप 2025 के अपने पहले मैच में टीम इंडिया ने यूएई को नौ विकेट से हराया। इस मैच के हीरो कुलदीप यादव रहे। अब पाकिस्तान के दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम ने कुलदीप की तारीफ की है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा...

कुलदीप के मुरीद हुए अकरम, सुनाई कहानी

पाकिस्तान के खिलाफ महामुकाबले से पहले महान गेंदबाज वसीम अकरम ने भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव की तारीफों के पुल बांधे। कुलदीप ने बुधवार को यूएई के खिलाफ चार विकेट झटके और विपक्षी बल्लेबाजों को पूरी तरह चकित कर दिया। इसमें एक ओवर में तीन विकेट भी शामिल है। अकरम ने सोनी स्पोर्ट्स पर कहा, श्लेग–स्पिनर, गुगली, फ्लिपर...मैं भी उन्हें यहां बैठकर नहीं पढ़ सकता। रिप्ले में भी मुश्किल है। मुझे याद है जब कुलदीप युवा थे और कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े थे। वह और मोहम्मद शमी हर समय मेरे साथ रहते थे। नाश्ता, लंच, डिनर, मैच के दौरान, हर वक्त मेरे साथ। अगर नहीं खेलते थे तो भी मेरे पास बैठते थे। वे भूखे थे। कुलदीप भूखा था।

अकरम की शमी के साथ जुड़ी यादें

अकरम ने मोहम्मद शमी का किस्सा सुनाते हुए बताया कि किस तरह भारतीय गेंदबाज उनसे सीखने को हमेशा उत्सुक रहते थे। उन्होंने कहा, श्मुझे याद है एक बार शमी मुझे एयरपोर्ट छोड़ने आए थे। मैंने पूछा– तुम मेरे साथ क्यों आए हो? तो उसने कहा, वसीम भाई,

मैं आपसे सुनना चाहता हूं और जानना चाहता हूं कि आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं और कहना चाहते हैं। इसका श्रेय उन्हें जाता है। मैं इन लड़कों पर गर्व करता हूं और उन्होंने अपने देश के लिए कमाल का प्रदर्शन किया है।

यूएई के खिलाफ कुलदीप की घातक गेंदबाजी

यूएई की टीम कुलदीप की कलाई के जादू के आगे फुस्स हो गई। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने 2.1 ओवर में महज सात रन देकर चार विकेट चटकाए। इसके अलावा शिवम दुबे ने तीन विकेट झटके। इसकी बदौलत यूएई की टीम 13.1 ओवर में 57 रन पर सिमट गई। जवाब में भारत ने 4.3 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

फिटनेस और तैयारी का असर

इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के दौरान बेंच पर बैठने के बाद कुलदीप को आखिरकार एशिया कप में खेलने का मौका मिला और उन्होंने खुद को और भी फिट साबित किया। उन्होंने कहा, ट्रेनर एड्रियन (ले रूक्स) का धन्यवाद। मैं अपनी गेंदबाजी और फिटनेस दोनों पर काम कर रहा था। सबकुछ बिल्कुल सही चल रहा है। कोशिश यही रही कि सही लेंथ पर गेंदबाजी करूं और बल्लेबाजों को पढ़ूं कि वे क्या करने वाले हैं। इस मैच में भी मैंने यही किया..सोचा बल्लेबाज अगली गेंद पर क्या करेंगे, उसी हिसाब से गेंद डालूं।

ओमान से होगी पाकिस्तान की टक्कर, भारत के खिलाफ मैच से पहले जीत से आगाज करने उतरेगी पड़ोसी टीम

दुबई। पाकिस्तान की टीम एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शुक्रवार को ग्रुप ए के अपने पहले मैच में कमजोर ओमान के खिलाफ अपनी तैयारी को पुख्ता अंजाम देने की कोशिश करेगी। पाकिस्तान ने एशिया कप से पहले त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराया था जिससे निश्चित तौर पर उनका मनोबल बढ़ा होगा। इस मैच में स्पिनर मोहम्मद नवाज ने हैट्रिक बनाई थी और वह फिर से पाकिस्तान के लिए तुरुप का इक्का होंगे।

पाकिस्तान के कप्तान को अच्छी शुरुआत की आस

संयुक्त अरब अमीरात की धीमी पिचों के कारण पाकिस्तान को टीम में स्पिनरों को शामिल करना पड़ा। उसकी यह रणनीति त्रिकोणीय सीरीज के दौरान कारगर साबित हुई और एशिया कप में भी यह रणनीति महत्वपूर्ण साबित होगी।पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने कहा था, श्हम इस तरह से तैयारी करना चाहते थे जिससे हमें एशिया कप के लिए मदद मिले और हमने ऐसा किया। हम घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। अब हम बहुत अच्छी स्थिति में हैं और पूरी तरह तैयार हैं।

14 सितंबर को भारत–पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई शामिल हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच रविवार को दुबई में खेला जाएगा। इसके बाद इन दोनों टीमों का सुपर 4 और फाइनल में भी मुकाबला हो सकता है। पाकिस्तान ने आगा के नेतृत्व में एक युवा टीम चुनी है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। सैम अयूब, फखर जमां, मोहम्मद नवाज़, सूफियान मुकीम और खुद आगा जैसे खिलाड़ियों से पाकिस्तान को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

एशिया कप में डेब्यू कर रही ओमान की टीम इस मुकाबले में कम दबाव, लेकिन बड़े सपनों के साथ उतर रही है। उसके अधिकतर खिलाड़ी नौकरी और क्रिकेट के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, जो उनके अनोखे सफर को दर्शाता है। ओमान के लिए यह बड़ा मुकाबला होगा जिसमें उसके खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने के लिए भरपूर प्रयास करेंगे।

एशिया कप के लिए पाकिस्तान और ओमान की टीमें

पाकिस्तानः फखर जमां, हसन नवाज, खुशदिल शाह, सईम अयूब, सलमान आगा, हुसैन तलत, फहीम अशरफ, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, साहिबजादा फरहान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, हसन अली हसन अली, सलमान मिर्जा, शाहीन अफरीदी, सुफियान मुकीम, मोहम्मद वसीम जूनियर।

ओमानः जतिंदर सिंह (कप्तान), आशीष ओडेदरा, आमिर कलीम, करण सोनावले, हसनैन शाह, मोहम्मद नदीम, विनायक शुक्ला, हम्माद मिर्जा, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, मोहम्मद इमरान।

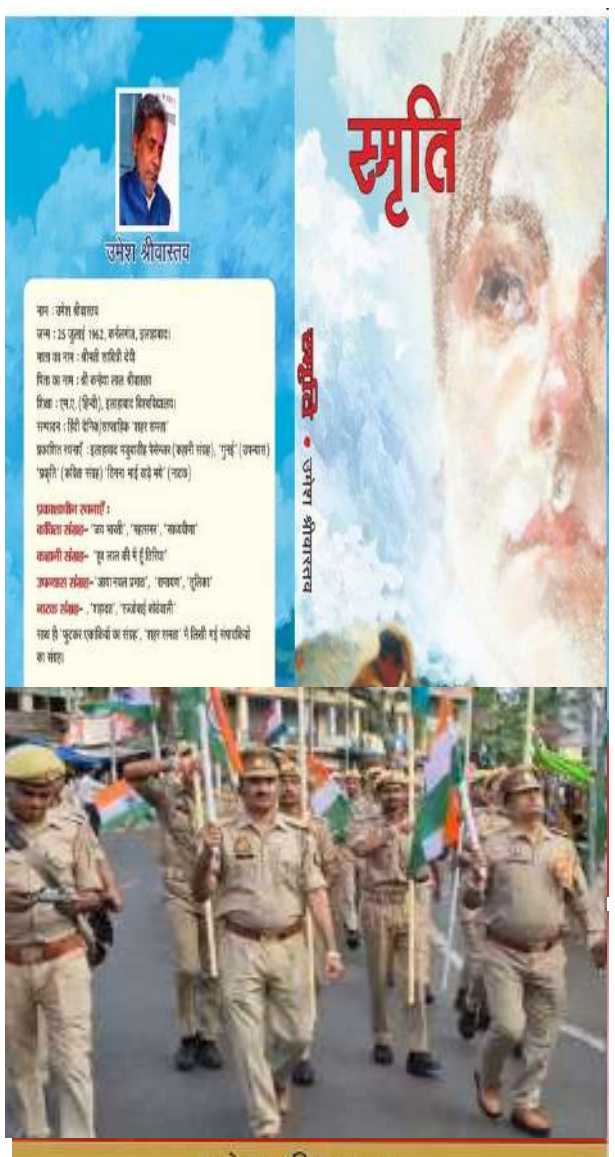

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

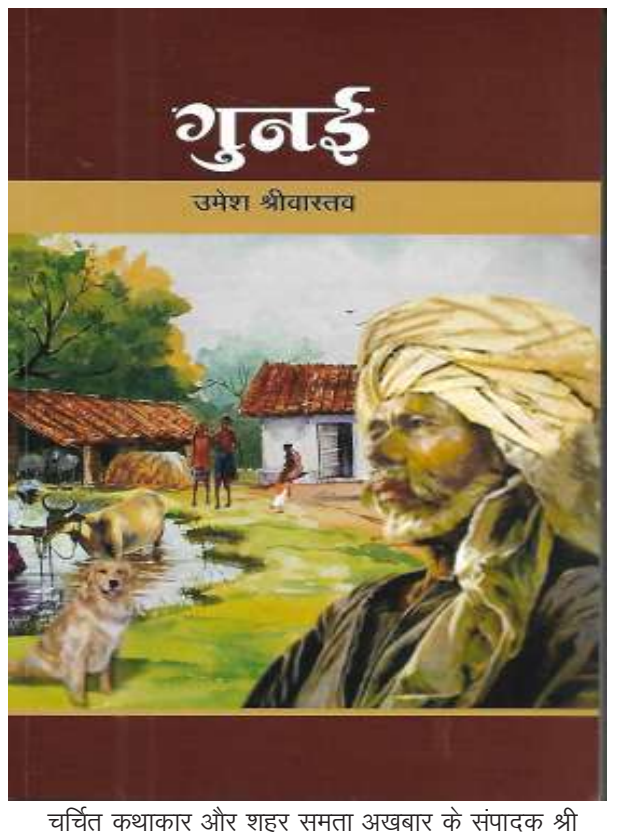

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

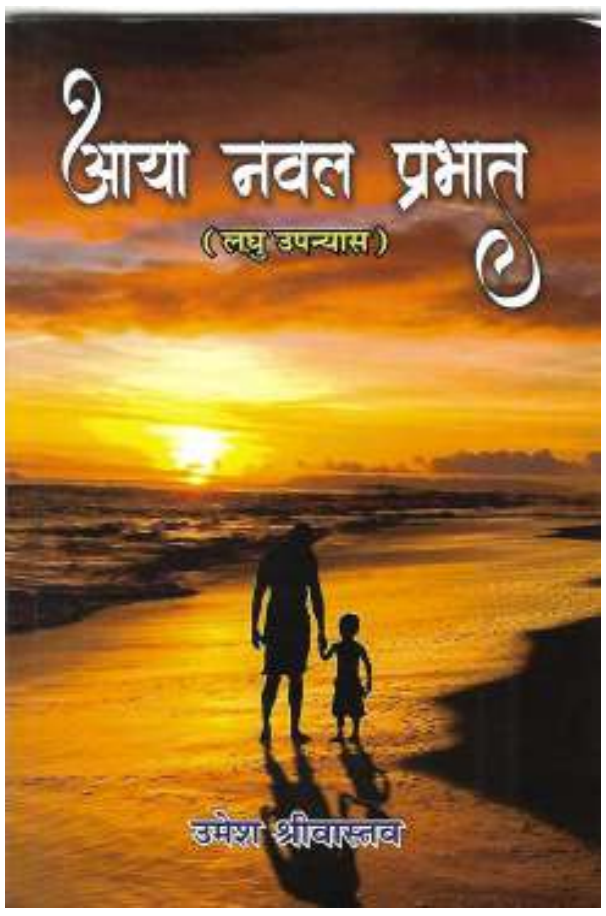

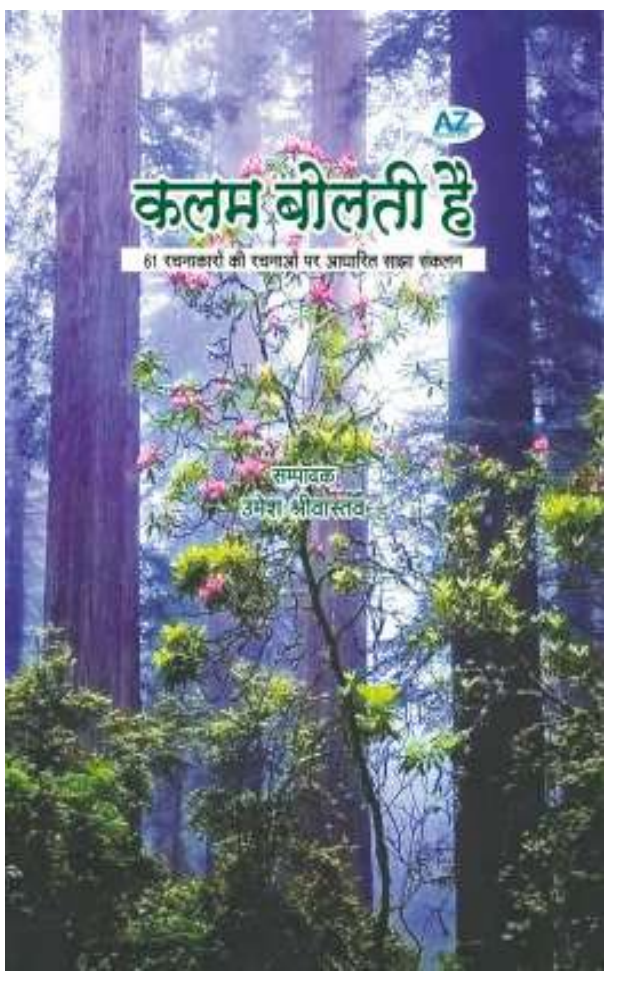

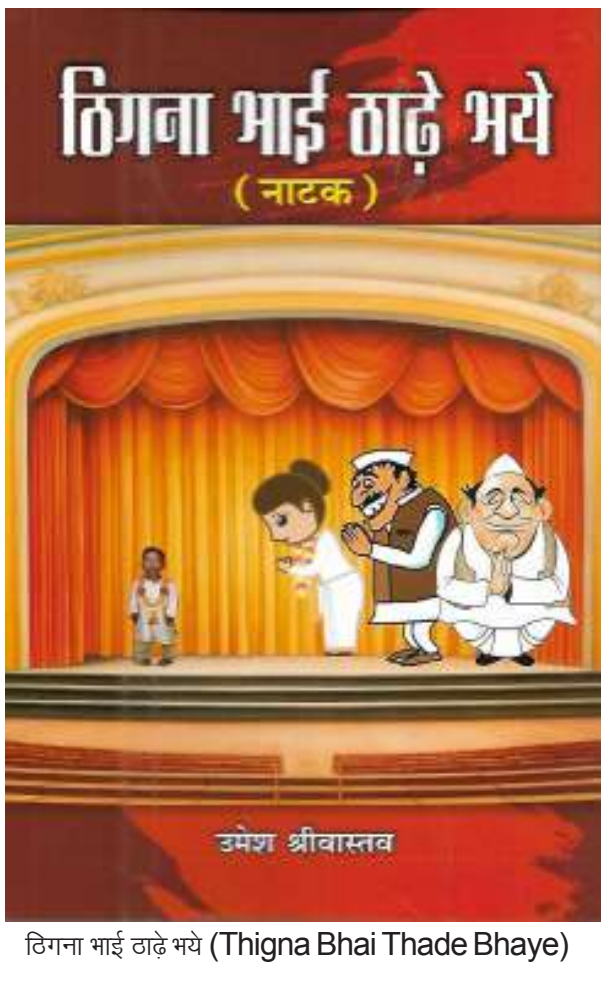

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

कनाडा में कार बालवाटिका में घुसी, एक बच्चे की मौत और नौ लोग घायल

टोरंटो के उत्तर में स्थित रिचमंड हिल में बुधवार को एक कार बालवाटिका (डेकेयर) की खिड़की तोड़ते हुए अंदर घुस गयी, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यॉर्क क्षेत्रीय पुलिस ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह घटना ओंटारियो के रिचमंड हिल में 'योंगे

स्ट्रीट' और 'नॉटिंघम ड्राइव' के पास हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक बच्चे की उम्र महज डेढ़ वर्ष थी। इस हादसे में 18 महीने से तीन साल के बीच छह अन्य बच्चे भी घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। साथ ही पुलिस ने बताया कि बालवाटिका के तीन कर्मचारी भी घायल हुए हैं। पुलिसकर्मी केविन नेब्रिजा ने बताया कि इस मामले में एसयूवी के 70 वर्षीय चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस का मानना है कि यह हादसा जानबूझकर किया गया कृत्य नहीं था बल्कि गलती से हुआ।

कतर पर इजराइल के हमले के बाद हिज्बुल्ला ने खाड़ी देशों को आगाह किया

लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला के नेता ने बुधवार को कहा कि कतर पर इजराइल का हमला खाड़ी देशों के लिए एक चेतावनी है कि अगर क्षेत्र में चमरपंथी समूहों की हार हुई तो भविष्य में उन्हें भी नहीं बख्शा जाएगा। कतर की राजधानी दोहा में फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के राजनीतिक नेतृत्व पर इजराइल के हमले के बाद हिज्बुल्ला के नेता नईम कासिम ने यह टिप्पणी की है। कतर की सरकार गाजा में जारी युद्ध को खत्म कराने में एक मुख्य मध्यस्थ की भूमिका निभा रही है। हमास ने कहा है कि इजराइली हमले में उसके पांच सदस्यों की मौत हुई है। जबकि कतर के एक सुरक्षा अधिकारी की भी जान चली गई है। कासिम ने कहा, "हम कतर के साथ हैं जिस पर आक्रमण हुआ है और हम फलस्तीनी प्रतिरोध का भी समर्थन करते हैं।" उन्होंने कहा कि यह हमला मध्य एशिया के एक बड़े हिस्से पर "ग्रेटर इजराइल" स्थापित करने के इजराइल के प्रयासों का एक हिस्सा है। उन्होंने इजराइल से सामान्य संबंध रखने वाले बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी के देशों की ओर इशारा करते हुए कहा, "अगर प्रतिरोध करने वालों को दुश्मन हरा देता है तो अगला नंबर आपका होगा।

यमन में इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 35 लोगों की मौत : हूती अधिकारी

यमन में हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर बुधवार को किए गए इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 35 लोग मारे गए और 130 से अधिक लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि अधिकतर लोगों की मौत राजधानी सना में हुई है, जहां सैन्य मुख्यालय और एक ईंधन स्टेशन पर हमला किया गया है। इजराइली सेना के हमले से कुछ दिन पहले हूती विद्रोहियों ने एक इजराइली हवाई अड्डे पर ड्रोन से हमला किया था।

मेक्सिको सिटी में गैस टैंकर में भीषण विस्फोट से तीन लोगों की मौत, 70 अन्य घायल

मेक्सिको सिटी के एक प्रमुख राजमार्ग पर गैस टैंकर में हुए भीषण विस्फोट के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और 70 अन्य घायल हो गए। मेक्सिको सिटी की मेयर ने बुधवार देर रात यह जानकारी दी। यह विस्फोट मेक्सिको की राजधानी से प्यूब्ला शहर की ओर जाने वाले एक अहम राजमार्ग पर हुआ। सरकार का कहना है कि अगली सूचना तक के लिए इस सड़क को बंद कर दिया गया है। मेयर क्लारा ब्रुगाडा विस्फोट के तुरंत बाद दमकलकर्मियों और चिकित्सकों सहित बचाव दल के साथ मौके पर पहुंचीं। उन्होंने राजमार्ग के पुल के नीचे हुए विस्फोट को "आपात स्थिति" बताया जिसमें 18 वाहन जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया कि घायल हुए 70 लोगों में से 19 की हालत गंभीर है। घायलों को शहर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ब्रुगाडा ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रक के पलटने के बाद उसमें विस्फोट हुआ। मेक्सिको सिटी के सेक्रेटरी सीजर क्राविओटो ने कहा कि आग "पर काबू पा लिया गया है"। प्राधिकारियों द्वारा ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में ट्रक से आग की भीषण लपटें निकलती दिख रही हैं, जबकि सोशल मीडिया पर मौजूद अन्य वीडियो में काफी संख्या में लोग चीखते और बचने के लिए वहां से भागते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में दिखाई दे रहे दो लोग इतनी बुरी तरह झुलस गए कि उनके कपड़े उनकी त्वचा से चिपक गए।

अमेरिका में हाई स्कूल के छात्र ने दो सहपाठियों को गोली मारने के बाद खुद को मारी गोली

अमेरिका के डेनवर शहर में एक हाई स्कूल में एक छात्र ने अपने दो सहपाठियों को गोली मार दी और फिर खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना कोलोराडो के एवरग्रीन हाई स्कूल में हुई, जो डेनवर से लगभग 30 मील पश्चिम में रॉकी माउंटेन की तलहटी में स्थित है। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे गोलीबारी की सूचना मिली।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

बाइडेन को लेकर कमला हैरिस ने ऐसे-ऐसे खुलासे किए, डेमोक्रेटिक नेता की खोली पूरी पोल

अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के दोबारा चुनाव लड़ने के निर्णय पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि यह एक गलती श्लापरवाहीश करार दिया और कहा कि यह निर्णय एक व्यक्ति की महत्वाकांक्षा पर छोड़ दिया गया था। अपनी नई किताब में हैरिस ने कहा है कि बाइडेन की उम्र के कारण उनके प्रदर्शन में गिरावट आई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वाइट हाउस के कुछ सहयोगियों ने उनके खिलाफ विरोधियों के हमलों से उनकी रक्षा नहीं की। हैरिस ने कहा कि बाइडेन की टीम के कुछ सदस्य उनके सफल होने में रुचि नहीं रखते थे। उनकी किताब 23 सितंबर को प्रकाशित होगी। हैरिस ने अपनी पुस्तक में बहस में हुई पराजय पर भी टिप्पणी की है और ज़ोर देकर कहा है कि हालाँकि बाइडेन ट्रम्प से कहीं ज़्यादा सक्षम हैं। लेकिन 81 साल की उम्र में उनकी थकान उनकी शारीरिक और मौखिक लड़खड़ाहट में साफ़ दिखाई देती है। अपने सबसे बुरे दिन में, वे डोनाल्ड ट्रम्प की तुलना में ज़्यादा ज्ञानवान, निर्णय लेने में ज़्यादा सक्षम और कहीं ज़्यादा दयालु थे। लेकिन 81 साल की उम्र में थक गए और तब उनकी उम्र शारीरिक और मौखिक लड़खड़ाहट में दिखाई दी। मुझे नहीं लगता कि यह कोई आश्चर्य की बात है कि बहस में हुई पराजय यूरोप की लगातार दो यात्राओं और हॉलीवुड के एक धन उगाहने वाले कार्यक्रम के लिए पश्चिमी तट की उड़ान के ठीक बाद हुई। मुझे नहीं लगता कि यह अक्षमता थी।

अमेरिकी चुनाव 2024

जो बाइडेन को शुरुआत में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ दोबारा चुनाव लड़ने के लिए डेमोक्रेटिक उम्मीदवार के रूप में उतारा गया था। हालाँकि, जून 2024 में बहस में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद, पार्टी नेताओं और दानदाताओं के बीच उनकी उम्र, स्वास्थ्य और चुनाव जीतने की संभावना को लेकर चिंताएँ बढ़ गईं। 21 जुलाई, 2024 को, बाइडेन ने यह कहते हुए दौड़ से नाम वापस ले लिया कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है और उन्होंने अपनी जगह उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाने का समर्थन किया। हैरिस डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनीं, लेकिन नवंबर 2024 के आम चुनाव में ट्रंप से हार गईं। उन्होंने इलेक्टोरल कॉलेज और लोकप्रिय वोट, दोनों खो दिए।

नेपाल को 'अंधकार' युग से निकालने वाला इंजीनियर संभालेगा देश की कमान?

जेन-जेड ग्रुप में पीएम को लेकर पड़ी फूट

नेपाल के बिजली प्राधिकरण के पूर्व प्रमुख कुलमन घीसिंग अंतरिम प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे हैं। विरोध प्रदर्शन कर रहे जेन-जेड आंदोलन द्वारा गुरुवार को अपने उम्मीदवार की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। देशव्यापी अशांति के बीच केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के दो दिन बाद ही उनका नाम सामने आया है। सेना द्वारा गुरुवार सुबह 6 बजे तक कड़े प्रतिबंध और कर्फ्यू लागू किए जाने के बीच, खबरों के अनुसार, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की, काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह और घीसिंग अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए सबसे आगे चल रहे उम्मीदवारों में शामिल हैं। नेपाल में बिजली कटौती समाप्तरू प्रशिक्षण से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, घीसिंग देश में कुख्यात 18 घंटे की दैनिक बिजली कटौती को समाप्त करने के लिए जाने जाते हैं, एक ऐसा कारनामा जिसने उन्हें घर-घर में जाना जाने लगा। शिक्षारू उन्होंने भारत के जमशेदपुर स्थित क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और बाद में नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के पुलचौक स्थित इंजीनियरिंग संस्थान से पावर सिस्टम इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। घीसिंग 1994 में नेपाल विद्युत प्राधिकरण (छम्।) में शामिल हुए और लगातार उच्च पदों पर पहुँचते गए। 2016 में, उन्हें प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया, जहाँ उन्होंने बिजली कटौती की गंभीर समस्या का समाधान किया। 2020 में हटाए जाने के बाद, वे 2021 में इस पद पर वापस आ गए। पद से निष्कासनरू 24 मार्च, 2025 को, ओली सरकार ने उन्हें छम्। के कार्यकारी निदेशक पद से हटा दिया, उनके कार्यकाल की समाप्ति से ठीक चार महीने पहले। उनकी जगह हितेंद्र देव शाक्य को नियुक्त किया गया। उनके निष्कासन की विपक्षी दलों और नागरिक समाज की आलोचना की, जिन्होंने उन्हें नेपाल के बिजली क्षेत्र में बदलाव का श्रेय दिया। कई लोगों ने सरकार पर प्रदर्शन के बजाय राजनीतिक कारणों से उन्हें दरकिनार करने का आरोप लगाया।

ट्रंप के करीबी चालह्न किर्क की लक्षित हत्या, अमेरिकी यूनिवर्सिटी कैंपस में रूढ़िवादी नेता को मारी गयी गोली

अमेरिकी राजनीति में आया उबाल

अमेरिकी रूढ़िवादी नेता और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी, चार्ली किर्क की यूटा वैली यूनिवर्सिटी में अपने टर्निंग पॉइंट यूएसए एडवोकेसी ग्रुप के साथ एक छात्र-प्रायोजित आउटडोर कार्यक्रम में बोलते समय गोली लगने से मौत हो गई। गर्दन में गोली लगने के बाद उन्हें टिम्पानोगोस क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने कुछ घंटों बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके निधन की पुष्टि की और कहा कि अमेरिका में युवाओं के दिल को चार्ली किर्क जितना कोई नहीं समझ पाया या समझ पाया। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया महान, चार्ली किर्क का निधन हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका में युवाओं के दिल को चार्ली से बेहतर कोई नहीं समझ पाया और न समझ पाएगा। सभी खासकर मैं, उन्हें प्यार और सम्मान देता था, और अब, वह हमारे बीच नहीं हैं। मेलानिया और मेरी संवेदनाएँ उनकी खूबसूरत पत्नी एरिका और परिवार के साथ हैं। चार्ली, हम तुमसे प्यार करते हैं!

डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या

रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की बुधवार को स्थानीय समयानुसार यूटा वैली विश्वविद्यालय में एक बाहरी छात्र कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने इसे एक लक्षित हत्या बताया है। 31 वर्षीय किर्क रूढ़िवादी युवा समूह टर्निंग पॉइंट यूएसए के सह-संस्थापक थे और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी सहयोगी थे। टिम्पानोगोस क्षेत्रीय अस्पताल ले जाने के कुछ घंटों बाद ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यूटा के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग (डीपीएस) ने बताया कि जब किर्क को लगभग 12:20 बजे एमएसटी पर एक गोली लगी, तो लगभग 3,000 लोग मौजूद थे।

हत्या आखिर क्यों की गयी अभी इसकी जानकारी नहीं

अधिकारियों का मानना है कि हमलावर ने आंगन के सामने वाली छत से गोली चलाई। डीपीएस की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, ष्मारी जाँच की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कोई अतिरिक्त स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता।ष् घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन जाँचकर्ताओं को चार्ली किर्क की गोलीबारी से कोई संबंध नहीं मिलने पर संक्षिप्त पूछताछ के बाद दोनों को रिहा कर दिया गया। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने कहा कि बुधवार शाम स्थानीय समयानुसार तक कोई भी हिरासत में नहीं है। हालांकि, एक कानून प्रवर्तन अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर एसोसिएटेड प्रेस से बात करते हुए पुष्टि की कि जाँचकर्ता एक नए रुचि के व्यक्ति की तलाश कर रहे हैं।

एफबीआई ने जॉर्ज ज़िन और ज़करिया कुरैशी को हिरासत से रिहा कियायूटा पुलिस ने कहा, हमने शुरुआत में जॉर्ज ज़िन को एक संदिग्ध के रूप में हिरासत में लिया था। बाद में उसे रिहा कर दिया गया और यूवीयू पुलिस ने उस पर बाधा डालने का आरोप लगाया। दूसरे संदिग्ध, ज़करिया कुरैशी को हिरासत में लिया गया और कानून प्रवर्तन द्वारा पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। बयान में आगे कहा गया, इनमें से किसी भी व्यक्ति का गोलीबारी से कोई संबंध नहीं है। हमलावर की तलाश और जाँच जारी है। एपी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ज़िन ने 2013 में साल्ट लेक सिटी मैराथन के आयोजकों को फिनिश लाइन पर बम लगाने के बारे में ईमेल भेजने के बाद आतंकवादी धमकी देने का दोषी पाया गया था। यूटा के गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने हमले की निंदा करते हुए इसे ष्राजनीतिक हत्याष् बताया। राज्य पुलिस आयुक्त ब्यू मेसन ने कहा कि सबूतों से पता चलता है कि हमलावर ने केवल किर्क को निशाना बनाया था।

ट्रंप ने किर्क की प्रशंसा करते हुए उन्हें "महान व्यक्ति" बताया

किर्क युवा संगठन टर्निंग प्वाइंट यूएसए के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किया, "चार्ली से बेहतर अमेरिका के युवाओं को कोई नहीं समझता था और न ही उनसे दिल से जुड़ पाता था।" वहीं, यूटा के गवर्नर स्पेंसर कॉक्स ने इस घटना को "राजनीतिक हत्या" करार दिया। उन्होंने कहा, यह हमारे राज्य के लिए एक काला और देश के लिए एक दुखद दिन है। मैं इसे स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक हत्या ही कहूंगा।" सोशल मीडिया पर उपलब्ध एक वीडियो में देखा जा सकता है कि 'यूटा वैली यूनिवर्सिटी' में किर्क एक सफेद टेंट के नीचे माइक हाथ में लेकर बोल रहे थे। टेंट पर "द अमेरिकन कमबैक" और "प्रूव मी रॉन्ग" जैसे नारे लिखे हुए थे। तभी एक गोली चली, और किर्क को अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाते हुए देखा गया, जबकि उनकी गर्दन के बाईं ओर से काफी खून बह रहा।

रूढ़िवादी राजनीति में किर्क का उदय

किर्क ने 2012 में 18 साल की उम्र में, टी पार्टी कार्यकर्ता विलियम मोंटगोमरी के साथ, उपनगरीय शिकागो में टर्निंग पॉइंट यूएसए की शुरुआत की। कम करों और सीमित सरकार की वकालत के साथ, यह समूह तेज़ी से कॉलेज परिसरों में फैल गया। लेकिन समूह के लिए निर्णायक मोड़ तब आया जब यह ट्रम्प के शुरुआती और सबसे मज़बूत जमीनी समर्थकों में से एक बन गया। 2016 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान, किर्क ने डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर के निजी सहायक के रूप में काम किया।

राष्ट्रीय हित में काम करने को तैयार, नेपाल की संभावित अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की का आया पहला बयान

जेन जेड ग्रुप के युवाओं ने नेपाल की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम प्रस्तावित किया है। सुशीला कार्की ने गुरुवार को कहा कि वह राष्ट्रहित में काम करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नेपाली युवाओं ने उन पर जो भरोसा जताया है, उससे वह अभिभूत हैं। 71 वर्षीय कार्की ने कहा कि जेन-जी समूह ने मुझ पर थोड़े समय के लिए सरकार का नेतृत्व करने का भरोसा जताया है। मैं राष्ट्रहित में काम करने के लिए तैयार हूँ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनरल जी के युवा प्रतिनिधि अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए सेना प्रमुख से मिलेंगे।

जनरल जी के प्रतिनिधियों ने अंतरिम सरकार के नए प्रधानमंत्री के रूप में पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नाम पर मुहर लगा दी है। हालाँकि इसमें अभी भी कुछ विरोधाभास है, लेकिन कहा जा रहा है कि सेना प्रमुख के साथ बैठक शुरू होने से पहले जनरल जी के आंदोलनकारियों के बीच इस नाम पर आम सहमति बन जाएगी और फिर सेना प्रमुख से चर्चा के बाद इसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। इस बीच, कुछ युवाओं ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने की कोशिश का विरोध किया है। प्रदर्शनकारी गुरवार को नेपाल सेना के मुख्यालय पहुँचे और कहा कि कार्की को सरकार का प्रमुख नहीं बनाया जाना चाहिए। नेपाल में अशांति और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफ़े के बीच, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम नई संक्रमणकालीन सरकार का नेतृत्व करने के संभावित उम्मीदवारों में से एक के रूप में उभरा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब नेपाल अनिश्चितता के दौर से गुज़र रहा है, जहाँ राजनीतिक दल और हितधारक देश में सुचारु परिवर्तन सुनिश्चित करने और स्थिरता बनाए रखने के लिए आम सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाल में जेन-जेड विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जो युवाओं, खासकर छात्रों, के नेतृत्व में सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग को लेकर एक व्यापक आंदोलन है। सरकार द्वारा कर राजस्व और साइबर सुरक्षा संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के बाद, 8 सितंबर, 2025 को काठमांडू और पोखरा, बुटवल और बीरगंज सहित अन्य प्रमुख शहरों में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

जिंदा हैं नेपाल के पूर्व पीएम खनाल की पत्नी, प्रदर्शनकारियों ने बुरी तरह पीटकर घर में लगाई थी आग

पूर्व प्रधानमंत्री झलनाथ खनाल की पत्नी राज्यलक्ष्मी चित्रकार जीवित हैं। पहले खबर थी कि उनकी मौत हो गई है। देश में मृतक संख्या 30 पहुंच गई है। विरोध प्रदर्शनों में घायलों की संख्या बढ़कर 1,033 हो गई है। नेपाल के 6-7 कैबिनेट मंत्रियों, कई मेयर, सभासद और जनप्रतिनिधियों ने भारत में रिश्तेदारों के घर शरण ली है। कई मंत्रियों-नेताओं के घरों पर आगजनी और तोड़फोड़ हुई है। आंदोलनकारी इन्हें तलाश रहे हैं। गौरतलब है कि नेपाल में प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनल के घर में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने जब पूर्व पीएम के घर में आग लगाई तो खनल की पत्नी, राज्यलक्ष्मी चित्रकार, अंदर मौजूद थीं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।